राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार, 20 जनवरी-2022 वर्ष-4,अंक-358 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

आईएनएस रणवीर पर हुए ब्लास्ट मामले में एडीआर नेवी करेगी मामले की जांच

नई दिल्ली ।
आईएनएस रणवीर पर हुए ब्लास्ट में 3 जवानों की मौत और 11 घायल होने के मामले में मुंबई की कुलाबा पुलिस ने एडीआर दर्ज किया है। हालांकि मुम्बई पुलिस के मुताबिक, इस मामले की जांच नेवी ही करेगी। नेवी ने पहले ही बोर्ड ऑफ इन्क्वायरी के आदेश दिए हैं। आपको बता दें कि आईएनएस रणवीर के एक आंतरिक कंपार्टमेंट में मंगलवार को विस्फोट हो गया था। इस धमाके में तीन नौ सैनिकों की जान चली गई। वहीं, 11 सैनिक घायल बताए जा रहे हैं। घटना के तुरंत बाद जहाज के चालक दल ने स्थिति को काबू में किया। घायलों को नौसेना के अस्पताल में इलाज चल रहा है। घायल जवानों को कोलाबा नेवी नगर के अश्विनी भेजा गया है। आईएनएस रणवीर भारतीय नौसेना का पोर्ट है। आईएनएस रणवीर नवंबर 2021 से पूर्वी नौसेना कमान से क्रॉस कोस्ट ऑपरेशनल तैनाती पर था और जल्द ही बेस पोर्ट पर लौटने वाला था। मामले की जांच के लिए बोर्ड ऑफ इंक्वायरी के आदेश दे दिए गए हैं। आईएनएस रणवीर में ये किस कारण से धमाका हुआ इसे लेकर नौसेना की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई है। धमाके की जांच के लिए भारतीय नौसेना ने कमिटी बैठा दी है, जो इस बात की जांच करेगी कि ये धमाका कैसे हुआ।

पुलिस ने सर्च अभियान चलाकर 15 आईईडी बरामद हुए

सरायकेला ।
आतंकियों की दिल्ली के गाजीपुर मंडी को दहलाने की कोशिश नाकाम हो गई। कुछ इसी प्रकार की तैयारी नक्सलियों की झारखंड में भी थी,लेकिन पुलिस ने नाकाम कर दिया। दरअसल माओवादियों के खिलाफ पुलिस के द्वारा सर्च अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में सरायकेला के पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली कि भाकपा माओवादी जिले के कुचाई इलाके में जगह जगह पर आईईडी लगा रहे हैं, जिसके बाद पुलिस ने मामले पर तुरंत एक्शन लेकर सीआरपीएफ 157 बटालियन के साथ छापेमारी टीम का गठन किया। जिसमें बीडीडीएस टीम के पदाधिकारी के साथ कई जवान भी शामिल हुए। सर्च अभियान के दौरान काड़ेरांगो पहाड़ी के तरफ जैसे ही जवान आगे बढ़े,तब करीब डेढ़ किमी की दूर पश्चिम दिशा में 15 आईईडी बरामद हुए। जो कि जंगल के रास्ते में लगे थे। मौके पर ही बीडीडीएस टीम के द्वारा आईडी को नष्ट कर दिया गया। जानकारी के अनुसार भाकपा माओदियों का संगठन 26 जनवरी से पहले जिले में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में था।बता दें कि दास्ता रांची, खूंटी, सरायकेला व चाईबासा जिले में पुलिस बल को नुकसान पहुंचाने के फिराक में है।इसकारण पुलिस लगातार सर्च अभियान चला रही है। बता दें कि कुछ दिन पूर्व सरायकेला के पतराडीह डोडारदा जंगल से भी भारी मात्रा में आईईडी बम बरामद हुआ था।

पठानकोट-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर

जम्मू । गणतंत्र दिवस समारोह से पहले आतंकवादियों के मंसूबों को नाकाम करने और संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखने के लिए पठानकोट-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर दी हैं। अधिकारियों ने बताया कि राजमार्ग पर सुरक्षा इंतजाम बढ़ाने के मद्देनजर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों को हिमाचल प्रदेश-पंजाब जांच चौकी पर तैनात किया है। अधिकारियों ने कहा कि राजमार्ग के पास सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाकर राष्ट्र विरोधी तत्वों के किसी भी साजिश को नाकाम करने की तैयारी शुरु कर दी है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रख सीमावर्ती जिले कठुआ एवं सांबा में भी राजमार्ग के पास स्थित सभी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं, पूरे इलाके में आतंकवाद रोधी और घुसपैठ रोधी सुरक्षा को सख्त कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि सभी जांच चौकियों पर सुरक्षाकर्मियों की तादाद बढ़ाकर उन्हें सतर्क रहने को कहा गया है। हवाई अड्डा और रेलवे स्टेशन सहित जम्मू में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बीएसएफ, जो जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) की रक्षा करता है, कड़ी निगरानी बनाए हुए है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा के कड़े इंतजाम के तहत पठानकोट में हिमाचल प्रदेश-पठानकोट चौकी पर बीएसएफ को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि अन्य क्षेत्रों से पठानकोट में प्रवेश करने वाले सभी वाहनों की गहन जांच की जा रही है और सभी विवरण दर्ज किए जा रहे हैं।

महामारी की तीसरी लहर

23 जनवरी को होगी चरम पर, रोजाना आ सकते हैं 4 लाख मामले

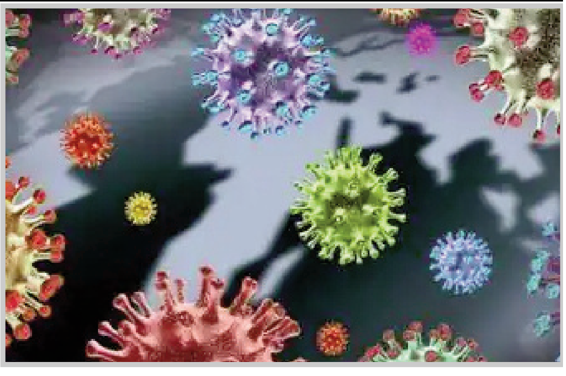

(एजेंसी)।
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-कानपुर के एक वैज्ञानिक के अनुसार, भारत में कोविड-19 महामारी की तीसरी लहर 23 जनवरी को चरम पर पहुंच सकती है और इस दौरान रोजाना संक्रमण के चार लाख से कुछ कम मामले सामने आ सकते हैं। आईआईटी-कानपुर के प्रोफेसर व 'सूत्र कोविड मॉडल' से जुड़े अनुसंधानकर्ताओं में शामिल मनिंद्र अग्रवाल ने कहा कि दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में पहले ही, बीते सात दिन में संक्रमण के मामलों की संख्या चरम पर पहुंच चुकी है। महामारी की शुरुआत के बाद से देश में कोविड मामलों की संख्या का पता लगाने और इस संबंध में अनुमान जताने के लिये 'सूत्र कोविड मॉडल' का उपयोग किया गया है। अग्रवाल के अनुसार इस सप्ताह महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, गुजरात और हरियाणा में कोविड -19 के मामले चरम पर होंगे, जबकि आंध्र प्रदेश, असम और तमिलनाडु जैसे राज्यों में अगले सप्ताह इनके चरम पर पहुंचने की आशंका है। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'भारत में 23 जनवरी को दैनिक मामलों की संख्या चरम पर पहुंचने का अनुमान है। तब इन मामलों की संख्या चार लाख से कुछ कम रह सकती है। दिल्ली, मुंबई और कोलकाता महानगरों में पहले ही इनकी संख्या चरम पर हैं।' अग्रवाल ने पहले अनुमान जताया था कि कोविड -19 की तीसरी लहर जनवरी के अंत तक चरम पर होगी। महामारी की स्थिति में बदलाव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'देश भर में, प्रक्षेपवक्र महत्वपूर्ण रूप से बदल रहे हैं। मैंने पहले अनुमान लगाया था कि जांच रणनीति में बदलाव को लेकर आईसीएमआर के दिशानिर्देशों के कारण ऐसा हुआ है। हालांकि, कई जगहों पर, ये दिशानिर्देश अभी तक लागू नहीं हुए हैं और फिर भी, प्रक्षेपवक्र बदल गया है।'

एक नए सरकारी परामर्श के अनुसार, अंतर-राज्यीय घरेलू यात्रा करने वाले व्यक्तियों और कोविड संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों की तब तक जांच करने की आवश्यकता नहीं है जब तक कि उन्हें उम्र या विभिन्न रोगों के चलते खतरा न हो। अग्रवाल ने कहा कि पिछले साल नवंबर में जब ओमीक्रोन स्वरूप फैलना शुरू हुआ तो बहुत चिंता थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि पिछले हफ्ते या उससे पहले, लगभग हर जगह लोगों ने निष्कर्ष निकाला है कि इस स्वरूप में केवल 'हल्का संक्रमण' होता है और जांच कराने के बजाय मानक उपचार के जरिये इससे निपटा जा सकता है।

इससे पहले, संस्थान में एक अलग शोध दल द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चला था कि भारत में महामारी की तीसरी लहर 3 फरवरी तक चरम पर हो सकती है।

पीएम मोदी 27 जनवरी को पहली भारत-मध्य एशिया शिखर बैठक की करेंगे मेजबानी

कई देशों के नेता लेंगे भाग

(एजेंसी)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 जनवरी को डिजिटली पहली भारत-मध्य एशिया शिखर बैठक की मेजबानी करेंगे। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को इसकी घोषणा की। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, इस शिखर बैठक में कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति भाग लेंगे। बयान में कहा गया है कि भारत और मध्य एशियाई देशों के बीच शीर्ष नेताओं के स्तर पर इस तरह का यह पहला संवाद होगा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पहली भारत-मध्य एशिया शिखर बैठक मध्य एशियाई देशों के साथ भारत के बढ़ते संपर्क को प्रतिबिंबित करती है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2015 में मध्य एशियाई देशों का पहला ऐतिहासिक दौरा किया था। इसके बाद द्विपक्षीय और बहुपक्षीय मंचों पर संवाद होता रहा है। बयान के अनुसार, पिछले साल 18-21 दिसंबर को विदेश मंत्रियों के स्तर पर भारत-मध्य एशिया संवाद का आयोजन नयी दिल्ली में हुआ जिससे भारत और मध्य एशियाई देशों के बीच संबंधों को गति मिली। इससे पहले, 10 नवंबर, 2021 को नयी दिल्ली में अफगानिस्तान के संदर्भ में क्षेत्रीय सुरक्षा संवाद का आयोजन हुआ जिसमें मध्य एशियाई देशों की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषदों के सचिवों ने भाग लिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पहली भारत-मध्य एशिया शिखर बैठक में भारत और मध्य एशियाई देशों के बीच रिश्तों को नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा हो सकती है।

कोरोना : 2 लाख 83 हजार नए केस मिले

देश भर में एक्टिव मामले हुए 18 लाख से ज्यादा

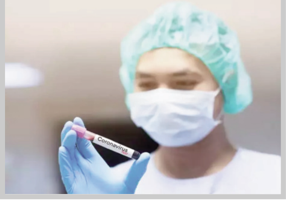

नई दिल्ली (एजेंसी)।
कोरोना वायरस के नए मामला ने फिर से लोगों को डरा` दिया है। आज आए आंकड़े में कोरोना के 2 लाख 83 हजार नए केस मिले हैं। देश भर में कुल सक्रिय मामलों की संख्या तेजी से बढ़ते हुए 18 लाख 31 हजार हो गई है। राहत की बात यह है कि एक तरफ कोरोना के नए केस 2,82,970 मिले हैं तो वहीं इसी दौरान 1 लाख 88 हजार से ज्यादा लोगों ने कोरोना को मात दी है। कोरोना के नए केसों में जिस तेजी से इजाफा हो रहा है, उससे माना जा रहा है कि अगले दो दिनों में आंकड़ा 20 लाख के पार हो सकता है। देश में अब तक मिले कुल केसों की तुलना में एक्टिव मामले फिलहाल 4.83 फीसदी हैं। इसके अलावा रिकवरी रेट भी लगातार तेजी से घट रहा है और यह अब 93.88 पर्सेंट है। हालांकि एक्सपर्ट्स के मुताबिक राहत की बात यह है कि कोरोना की तीसरी लहर के दौरान नए केसों का आंकड़ा 4 लाख के पार नहीं जाएगा। इससे पहले कुछ अनुमानों में यह संख्या 4 से 8 लाख तक पहुंचने की बात कही गई थी। इस बीच कोरोना के डेली पॉजिटिविटी रेट की बात करें तो यह 15.13 पर्सेंट हो गया है, जबकि वीकली पॉजिटिविटी रेट 15.53 फीसदी है।देश में ओमिक्रॉन वैरिएंट के मामले फिलहाल 8,961 ही हैं। इससे साफ है कि तीसरी लहर में जो नए केस मिल रहे हैं, उसकी वजह ओमिक्रॉन वैरिएंट नहीं है बल्कि डेल्टा वैरिएंट के चलते ऐसा हो रहा है। देश में कोरोना टीकाकरण की बात करें तो अब तक 158 करोड़ से ज्या दा टीके लग चुके हैं। इसके अलावा 4 करोड़ के करीब किशोरों को भी कोरोना का टीका लगाया जा चुका है।कोरोना के बढ़ते केसों के बीच थोड़ी सी राहत यह भी है कि इस बार दूसरी लहर की तरह ज्यादातर लोगों को अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत नहीं पड़ रही है। यही नहीं जिस ओमिक्रॉन वैरिएंट के तेजी से फैलने के दावे किए जा रहे थे, उसके मामले भारत में बहुत ज्यादा नहीं हैं।

सांसद रीता ने कहा टिकट के मामले परिवारवाद अड़े आता हैं, तब में लोकसभा से इस्तीफा देने को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)।
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद रीता बहुगुणा जोशी ने कहा है मेरे बेटे को टिकट मिला ,तब मैं लोकसभा से इस्तीफा दे दूंगी। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि अगर पार्टी ने प्रति परिवार केवल एक व्यक्ति को टिकट देने का फैसला किया है,तब पुत्र मयंक को टिकट मिलने के बाद अपनी वर्तमान लोकसभा सीट से इस्तीफा दे दूंगी।

भारतीय जनता पार्टी की सांसद रीता बहुगुणा जोशी ने कहा कि यदि उनका पुत्र आसन्न उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए टिकट मांग रहा हैं,तब यह उसका अधिकार है।उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि बेटे को टिकट देने की राह में परिवारवाद आड़े आ रहा है,तब वह बतौर सांसद इस्तीफा देने को भी तैयार हैं। इलाहाबाद से सांसद जोशी ने यूपी के लिए भाजपा के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की। हालांकि,उन्होंने मुलाकात को पार्टी से संबंधित मुद्दों पर ''शिष्टाचार के नाते भेंट'' करार दिया। ऐसी चर्चा है कि जोशी के पुत्र मयंक जोशी लखनऊ कैंट विधानसभा सीट पर टिकट की दावेदारी कर रहे हैं और इसके लिए पूरी कोशिश भी कर रहे हैं।सीट पर रीता बहुगुणा जोशी ने 2017 के विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज की थी। इसके बाद में 2019 के लोकसभा चुनाव में इलाहाबाद से जीत दर्ज करने के बाद उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था।

सुप्रीम कोर्ट में बढ़ कोरोना के प्रकोप, 32 में से 10 जज कोरोना संक्रमित हो चुके

नई दिल्ली ।
देश में कोरोना के केस लगातार बढ़ रहे हैं। इस बीच सुप्रीम कोर्ट के भी अब तक कुल 32 में से 10 जज कोरोना संक्रमित हो चुके हैं।साथ ही सूत्रों ने जानकारी दी है कि कोर्ट में काम करने वाले करीब 400 कर्मचारी भी कोरोना संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं।इसकारण बुधवार को सुप्रीम कोर्ट की तीन बेंच नहीं बैठेंगी। जानकारी के अनुसार सुप्रीम कोर्ट में काम करने वाले कर्मचारियों का पॉजिटिविटी रेट भी 30 फीसदी हो गया है, जो कि चिंता का विषय है। कोरोना के कारण मंगलवार को भी सुप्रीम कोर्ट के कई जज छुट्टी पर रहे। 9 दिनों में कोरोना पीड़ित जजों की संख्या डबल हो गई है।सूत्रों के मुताबिक 32 में से कुल 10 जज कोरोना पॉजिटिव हो चुके हैं। हालांकि इनमें से दो जज अब ठीक होकर वापस लौट आए हैं। जबकि आठ जज अभी छुट्टी पर ही हैं। 9 जनवरी को संक्रमित जजों की संख्या चार थी। बुधवार को स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 2 लाख 82 हजार 970 नए मामले दर्ज किए गए हैं। इसी दौरान कोरोना के कारण 441 लोगों की मौत हुई है। बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार देश में कल के मुकाबले कोरोना संक्रमण के नए मामलों में 44,889 की बढ़ोतरी हुई है। वहीं देश में रोजाना की संक्रमण दर 15.13 फीसदी हो गई है। भारत में इस समय सक्रिय केस 18,31,000 हैं। ओमिक्रॉन के केस बढ़कर 8961 हो चुके है। यह कल के मुकाबले 0.79 फीसदी है।

अमित पालेकर जिन्हें आप ने गोवा में बनाया अपना सीएम उम्मीदवार

नई दिल्ली ।
आम आदमी पार्टी ने गोवा विधानसभा चुनाव के लिए अपने मुख्यमंत्री के चेहरे का ऐलान कर दिया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गोवा में ऐलान किया है कि अमित पालेकर सीएम उम्मीदवार होंगे। उनका नाम लिस्ट में सबसे आगे चल रहा था। आप ने पहले ही कहा था कि उनका सीएम फेस भंडारी समाज का होगा। दरअसल, मंगलवार को अरविंद केजरीवाल गोवा पहुंचे थे और बुधवार सुबह 11 बजे पणजी में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पार्टी के सीएम चेहरे की घोषणा की है। बता दें कि गोवा में करीब 35 फीसदी आबादी भंडारी समाज की है। पिछले चुनावों में अमित पालेकर ने आम आदमी पार्टी के लिए डोर-टू-डोर कैंपेन किया था। अमित पालेकर पेशे से वकील हैं लेकिन हाल ही के दिनों में वे काफी चर्चा में रहे हैं। अमित पालेकर ने कोरोना काल में लोगों की खूब मदद की। उन्होंने अपने पास से एक स्थानीय अस्पताल को 135 बेड डोनेट किए थे। मरीजों को इलाज दिलाने के अलावा, लॉकडाउन में सफर कर रहे परिवारों की मदद भी की थी। पिछले चुनावों में उन्होंने आम आदमी पार्टी के लिए डोर-टू-डोर कैंपेन किया था। अमित पालेकर सोशल वर्क में बहुत सक्रिय हैं, रिपोर्ट्स के मुताबिक गोवा में लोग उन्हें पसंद करते हैं। वह जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे रहते हैं, इसके अलावा भ्रष्टाचार को लेकर भी कई बार आवाज उठा चुके हैं। पालेकर सांता क्रूज इलाके में लंबे समय से सक्रिय हैं यहां उनकी मां दस साल तक सरपंच रह चुकी हैं। हाल ही में अमित पालेकर चर्चा में रहे जब वह ओल्ड गोवा हैरिटेज परिसर में अवैध तरीके से बनाए जा रहे एक बंगले के खिलाफ अनशन पर बैठ गए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के निलंबित 12 विधायकों के मामले में फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली (एजेंसी)।
पीठीसीन पदाधिकारी के साथ कथित दुर्व्यवहार मामले में सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के निलंबित 12 विधायकों के मामले में फैसला सुरक्षित रखा है। विधानसभा सत्र के दौरान पीठासीन पदाधिकारी के साथ कथित तौर पर दुर्व्यहार करने के मामले में इन विधायकों को एक साल के लिए विधानसभा से निलंबित कर दिया गया था। इससे पहले, सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने इन विधायकों के निलंबन का उद्देश्य और प्रबल कारण पूछा था। इसके साथ ही, अदालत ने कहा कि असली मुद्दा यह है कि निर्णय कितना तर्कसंगत है। इसके पहले सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि एक साल के लिए विधानसभा से निलंबन निष्कासन से भी बदतर है, क्योंकि इसके परिणाम बहुत भयानक हैं।इससे सदन में प्रतिनिधित्व का किसी निर्वाचन क्षेत्र का अधिकार प्रभावित होता है।सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति एएम खानविलकर, न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी और न्यायमूर्ति सीटी रविकुमार की पीठ ने महाराष्ट्र की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता ए सुंदरम से कहा कि निर्णय का कोई उद्देश्य होना चाहिए। एक प्रबल कारण होना चाहिए, जिससे कि उस (सदस्य) अगले सत्र में भी भाग लेने की अनुमति न दी जाए। मूल मुद्दा तर्कसंगत निर्णय के सिद्धांत का है। सुनवाई के दौरान सुंदरम ने अदालत के समक्ष राज्य विधानसभा के भीतर कामकाज पर न्यायिक समीक्षा के सीमित दायरे के मुद्दे पर दलील दी थी। उन्होंने कहा कि सदन में जो हो रहा है, उसकी न्यायिक समीक्षा घोर अवैधता के मामले में ही होगी, अन्यथा इससे सत्ता के पृथककरण के मूल तत्व पर हमला होगा। सुंदरम ने कहा कि अगर मेरे पास दंड देने की शक्ति है, तब संविधान, कोई भी संसदीय कानून परिभाषित नहीं करता है कि सजा क्या हो सकती है।

दिवालिया होने से बचने के लिए सोना बेचने को मजबूर श्रीलंका

नई दिल्ली (एजेंसी)।
श्रीलंका खुद को दिवालिया होने से बचाने के लिए सोना बेचने की स्थिति में पहुंच चुका है। श्रीलंकाई सरकार सोना बेचकर अपनी गिरती अर्थव्यवस्था को सहारा दे रही है।श्रीलंका के केंद्रीय बैंक ने कहा है कि उसने खत्म होते विदेशी मुद्रा के भंडार को देखकर अपने गोल्ड रिजर्व का एक हिस्सा बेच दिया है।श्रीलंका के प्रमुख अर्थशास्त्री और सेंट्रल बैंक के पूर्व डिप्टी गवर्नर डॉ. डब्ल्यू.ए विजेवर्धने ने हाल ही में ट्वीट भी किया था जिसमें उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक का गोल्ड रिजर्व कम हुआ है। उन्होंने ट्वीट में लिखा कि सेंट्रल बैंक का गोल्ड रिजर्व 38.2 करोड़ डॉलर से घटकर 17.5 करोड़ डॉलर का हो गया है। श्रीलंका के केंद्रीय बैंक के गवर्नर निवार्ड कैब्राल ने कहा है कि श्रीलंका ने अपने सोने के भंडार के एक हिस्से को लिक्विड फॉरेन एसेट्स (नकदी) को बढ़ाने के लिए बेचा है। चीन से करेंसी स्वैप (डॉलर के बजाय एक-दूसरे की मुद्रा में व्यापार करना) के बाद साल के अंत में ही श्रीलंका के केंद्रीय बैंक ने अपने गोल्ड रिजर्व को बढ़ाया था।रिपोर्ट के मुताबिक, अनुमान है कि श्रीलंका के केंद्रीय बैंक के पास 2021 की शुरुआत में 6.69 टन सोने का भंडार था जिसमें से लगभग 3.6 टन सोना बेचा गया है, जिससे उसके पास लगभग 3.0 से 3.1 टन सोना ही शेष है। 2020 में भी केंद्रीय बैंक ने सोना बेचा था।साल की शुरुआत में श्रीलंका के पास 19.6 टन सोने का भंडार था जिसमें से 12.3 टन सोना बेचा गया। श्रीलंका ने साल 2015, 2018 और 2019 में भी सोना बेचा था। गवर्नर कैब्राल ने कहा कि सोने की बिक्री विदेशी मुद्रा के भंडार को बढ़ावा देने के लिए की गई। उन्होंने कहा, %जब विदेशी भंडार कम होता है,तब हम सोने की होल्डिंग को कम करते हैं। जब विदेशी भंडार बढ़ रहा था,तब हमारे द्वारा सोना खरीदा गया। एक बार जब रिजर्व स्तर 5 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक बढ़ जाएगा,तब केंद्रीय बैंक सोने की होल्डिंग बढ़ाने पर विचार करेगा। उन्होंने श्रीलंका की स्थिति की तुलना 1991 के भारत से की है जब भारत ने खुद को दिवालिया होने से बचाने के लिए सोना गिरवी रखा था। उन्होंने कहा, %सोना एक रिजर्व है जिसे किसी देश को डिफ़ॉल्ट के कगार पर होने पर अंतिम उपाय के रूप में उपयोग करना होता है।इसकारण जब कोई दूसरा विकल्प उपलब्ध न हो तो सोने की बिक्री संयम से की जानी चाहिए। भारत ने भी 1991 में अपना सोना गिरवी रखा था।उन्होंने कहा, भारत की सरकार ने देश से छुपाया, लेकिन कहानी बाहर आई और सरकार की छवि खराब हुई लेकिन तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने बाद में लोकसभा में स्वीकार किया कि देश के पास इसके अलावा कोई विकल्प नहीं था।तब श्रीलंका द्वारा आज सोने की बिक्री का मतलब है कि देश की स्थिति 1991 के भारत जैसी ही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार — भूल करने में पाप तो है ही, परन्तु उसे छिपाने में उससे भी बड़ा पाप है। - महात्मा गांधी

संपादकीय

मान की उम्मीदवारी

भारत में विविध रूपी राजनीति का सदैव स्वागत होना चाहिए। आम आदमी पार्टी ने पंजाब विधानसभा चुनाव में भगवंत मान को मुख्यमंत्री पद के लिए अपना उम्मीदवार बनाकर बहुतों को चर्चा का विषय दे दिया है। राजनीति का पहला लक्ष्य ही यही है कि उसके द्वारा स्थापित नेता या नेतागीरी की अधिक से अधिक चर्चा हो। इसमें कोई शक नहीं कि भगवंत मान पंजाब में आप के लिए एक ऐसा चेहरा हैं, जिनकी पहचान देश-दुनिया में आम आदमी पार्टी से भी पुरानी है। तो मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की पहले घोषणा करके आम आदमी पार्टी ने एक तरह से बाजी मार ली है। पंजाब में सत्ताधारी कांग्रेस में हम देख ही रहे हैं कि मुख्यमंत्री पद को लेकर खींचतान जारी है और मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के नाम की घोषणा का खतरा पार्टी उठाने की स्थिति में अभी नहीं दिखती। ऐसे में, भगवंत मान को आगे करके आम आदमी पार्टी ने राज्य के मतदाताओं को सोचने का एक मौका दे दिया है। भाजपा ने भी अभी मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार का नाम स्पष्ट नहीं किया है। जाहिर है, आम आदमी पार्टी अब कह सकती है कि उसके पास चेहरा है और उस चेहरे को उसने आगे कर दिया है। ऐसा नहीं है कि भगवंत मान का चयन आसान रहा हो। उनके नाम का विरोध भी हो रहा था। इसके लिए बाकायदा सर्वेक्षण कराया गया है, जिसमें 93 प्रतिशत लोगों ने भगवंत मान को आप का मुख्यमंत्री उम्मीदवार बनाने की बात कही है। उम्मीदवार के चयन के लिए सर्वेक्षण की सराहना करनी चाहिए। हालांकि, आप के विरोधी यह कहेंगे कि आप ने सर्वेक्षण का दिखावा किया है और उसके पास भगवंत मान से सशक्त कोई नाम पंजाब में नहीं था, लेकिन तब भी पार्टी द्वारा ऐसे किसी सर्वेक्षण की घोषणा मायने रखती है। विवाद की स्थिति में पार्टियों को ऐसे सर्वेक्षण का सहारा लेने में हिचकना नहीं चाहिए। चयन में हाईकमान की मर्जी से बहुत श्रेष्ठ है सार्वजनिक सर्वेक्षण। वास्तव में, अगर पार्टियों के अंदर संगठन के चुनाव होते, तो हाईकमान की मर्जी या ऐसे सर्वेक्षणों की नौबत ही नहीं आती, लेकिन हमारे यहां राजनीति में जो सामंती व्यवस्था है, उसमें संगठन चुनाव के पक्षधर कितने होंगे, कहना मुश्किल है। यह अच्छी बात है कि मान राजनीति में नए नहीं हैं। साल 2011 से ही वह राजनीति में कमोबेश सक्रिय हैं। साल 2014 और 2019 में संगरूर से लोकसभा चुनाव जीत चुके हैं। उनके राजनीतिक वजन को नकारा नहीं जा सकता। 48 साल के भगवंत मान ऐसी हस्ती हैं, जिनकी छवि विदूषक की है, लेकिन उनमें पर्याप्त गंभीरता भी रही है और उनके क्षेत्र में लोग उन्हें बहुत पसंद करते हैं। राजनीति में आने के बाद वह कॉमेडी से दूर हैं। वैसे तो वह साल 1992 से ही कॉमेडी कर रहे हैं, पर उन्हें देशव्यापी ख्याति ग्रेट इंडियन लॉफ्टर चैलेंज से 2008 में मिली थी। पंजाबी कॉमेडियन से वह भारतीय कॉमेडियन में तब्दील हुए थे। यह देश किसी कॉमेडियन को ऊंचे पदों पर देखने का आदी नहीं है। तमिलनाडु को अगर छोड़ दें, तो बाकी भारत में बड़े अभिनेताओं को भी लोग नेता के रूप में आसानी से स्वीकार नहीं करते हैं। ऐसे में, मुख्यमंत्री पद के लिए भगवंत मान की उम्मीदवारी एक कामयाबी है। चुनावी मैदान में उन्हें पूरे दमखम और मजबूत चरित्र के साथ सामने आना होगा। राजनीति कतई कॉमेडी नहीं है, यह बात पंजाब में दूसरी पार्टियां अब बेहतर समझ रही होंगी।

बाजार की बड़ी कंपनियों से बचाएं किसान को

देविंदर शर्मा

भारतीय नीति-निर्माताओं ने अमेरिकी कृषि नीतियों के अनुरूप बनी बाजार व्यवस्था की असफलता और यहां तक कि तीन विवादित कृषि कानूनों को रद्द करने से भी सीख नहीं ली है, कीमतों का निर्धारण 'मांग-आपूर्ति संतुलन वाले सिद्धांत' से होता है, यही दोहरा रहे हैं। जबकि अनुभव बताता है कि उपरोक्त बाजार व्यवस्था में, उत्पाद के भाव में उतार-चढ़ाव अमेरिकी किसानों की सम्मानजनक आजीविका सुनिश्चित करने में असफल रहा है, अब बारी पशुपालकों की है। यहां तक कि राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी इस विद्रूपता को स्वीकार किया है जब उन्होंने कहा, 'पचास साल पहले खुदरा दुकान से बीफ खरीदने में चुकाए गए प्रत्येक डॉलर से पशुपालक के हिस्से 60 सेंट आते थे। आज वह घटकर 39 सेंट रह गया है। ऐसे ही उस वक्त सूअर-पालक को उपभोक्ता के हर डॉलर से 48-50 सेंट पहुंचते थे, जो फिलहाल लगभग 19 सेंट है। दूसरी ओर बड़ी कंपनियां भारी मुनाफा बना रही हैं।' जबकि अमेरिकी कृषि विभाग का अनुमान है कि आने वाले सालों में बीफ की खुदरा कीमत में 21 प्रतिशत, सूअर-गोश्त में 17 फीसदी तो मुर्गे के मीट में 8 प्रतिशत औसतन मूल्य वृद्धि होती रहेगी। राष्ट्रपति बाइडेन ने आगे कहा , 'कंपनियों का मुनाफा बढ़ने के साथ-साथ अंतिम विक्रय बिंदु पर उत्पाद की कीमत में वृद्धि होती गई, किंतु मंडी में किसान को मिलने वाला मूल्य घटता चला गया।' इसको आगे विस्तार देते हुए अमेरिकी कृषि विभाग के सचिव टॉम विल्सेक ने अपने ट्वीट में कहा 'इन गर्मियों में मेरी भेंट आयोवा प्रांत के किसानों से हुई, जिन्हें मांस प्रसंस्करण इकाइयों को बेचे अपने प्रत्येक पशु पर 150 डॉलर का घाटा उठाना पड़ा, जबकि उसी उद्योग ने एक जानवर का मांस बेचकर 1800 डॉलर का मुनाफा बनाया। कल्पना करें कि मांस प्रसंस्करण करने वाली कंपनियां किसान की आमदनी मारकर किस मात्रा में लाभ कमा रही हैं।' भारत में, हम अक्सर आढ़तियों और व्यापारियों पर बतौर बिचौलिए मुनाफाखोरी का इल्जाम लगाते आए हैं, लेकिन अमेरिका के मांस उद्योग के 85 प्रतिशत हिस्से पर काबिज चार बड़ी कंपनियां असल में इनसे कहीं ज्यादा बड़े बिचौलिए हैं, जिनकी प्रवृत्ति बड़ी शार्क मछली सरीखी है। भारत में भी, बड़ी कंपनियां, जो उक्त शार्कों से कम नहीं, उनकी आमद मंडी व्यवस्था में सही ठहराने की खातिर आढ़तियों को निशाने पर लिया जा रहा है। यह ठीक है कि बिचौलियों पर नियंत्रण-अंकुश बनाने की आवश्यकता है लेकिन अमेरिकी अनुभव बताता है कि मांस उद्योग को सुदृढ़ करने की सोच से अपनाए उपाय वास्तव में जहां मंडी का नियंत्रण चंद बड़ी कंपनियों के हाथ में होने का जरिया बने, वहीं पशुपालक किसान की आजीविका दूभर करते गए। पिछले सालों के दौरान, मांस की खुदरा कीमतों में सिलसिलेवार कमी आने से पशुपालक किसानों की पीढ़ियां इस व्यवसाय से किनारा करती गईं। जैसे-जैसे यह ग्रामीण तबका लुप्त होता गया वैसे-वैसे 'खेत से प्लेट' वाला प्रयोग केवल उद्योग आधारित कृषि को ही बढ़ावा देने में सहायक होता गया। अमेरिकी कृषि नीति की यह असफलता 'मुक्त मंडी व्यवस्था' से किसानों की बर्बादी का मुंह बोलता उदाहरण है। तुर्रा यह कि इस तथ्य को अभी भी नकारा जा रहा है कि बहुचर्चित 'मांग-आपूर्ति सिद्धांत' पशुपालक किसानों की आमदनी सुनिश्चित करने में असफल रहा है। यही कुछ पहले डेरी उद्योग के साथ हो चुका है। खेत से लेकर खुदरा बाजार तक सप्लाई चेन को इसी तरह 'सुदृढ़' किया जा रहा है। वास्तव में, केंद्रीकरण होने से एकाधिकार बनता है और चंद कंपनियों का गुट, उत्पादक एवं उपभोक्ता, दोनों का बेदर्दी से दोहन करता है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा अपना हिस्सा हड़पते देख अमेरिकी राष्ट्रीय किसान यूनियन अब 'किसानों को न्याय' नामक राष्ट्रव्यापी अभियान चलाए हुए है ताकि कॉर्पोरेट कंपनियों का एकाधिकार खत्म कर एंटी-ट्रस्ट कानून का पालन बेहतर कड़ाई से हो सके। अमेरिकी सरकार की प्रतिक्रिया में, राष्ट्रपति बाइडेन ने चंद बड़े खिलाड़ियों द्वारा वस्तु-कीमत ऊंची बनाए रखने वाले खेल पर नकेल कसने का आह्वान किया है। इसकी शुरुआत सरकार ने छोटी मांस प्रसंस्करण इकाइयों को 1 बिलियन डॉलर मुहैया करवाकर की है ताकि स्थानीय इकाइयां महाकाय कंपनियों को टक्कर दे सकें। बेशक यह उपाय सर्वोत्तम नहीं है, किंतु कम-से-कम यह स्वीकारोक्ति जरूर है कि कॉर्पोरेट एकाधिकार आपूर्ति के दोनों छोर -उत्पादक और उपभोक्ता- का किस कदर दोहन कर रहा है। हालांकि बेहतर हल है, कृषि उत्पाद और पशुधन को न्यूनतम मूल्य की गारंटी सुनिश्चित करना। आय समानता बनाने की मांग को लेकर वर्ष 1979 में राजधानी वाशिंगटन में किसानों का विशाल ट्रैक्टर विरोध इसीलिए था। भारतीय किसान भी न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी कानूनन सुनिश्चित करने की मांग कर रहे हैं, ताकि मंडी में कोई भी खरीद इस कीमत से कम पर न होने पाए। इसी तरह यूरोप में भी किसान अपने लगातार जारी संकट से निजात पाने को गारंटिड न्यूनतम उचित मूल्य की मांग बार-बार करते आए हैं। पिछले कुछ सालों से खेती से लगातार घटती आय की वजह से ही वैश्विक कृषि संकट बना है। इसका उदाहरण वर्ष 2005 है, जब कनाडा की राष्ट्रीय किसान यूनियन ने 'कृषि संकट ः कारण एवं निदान' नामक विस्तृत रिपोर्ट पेश की थी। इसमें विगत 20 साल (1985-2005) के दौरान दुनियाभर में व्याप्त अभूतपूर्व खेती संकट के पीछे कारण गिनाए थे। यह ठीक वही थे जिन्हें यूएनसीसीएडी ने भी अपने अध्ययन में स्वीकार किया था कि विश्वभर में उत्पाद की कीमत, मुद्रास्फीति जोड़ने के बाद, पिछले 20 सालों से जस-की-तस रही है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि यूरोप में अपनाई गई उच्च नियंत्रणों वाली कृषि-आर्थिक नीतियों और ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटाइना की अपेक्षाकृत कम नियंत्रण वाली, किंतु इतनी ही मारक नीतियों ने कृषि संकट को गहराया ही है। कनाडा की राष्ट्रीय कृषि यूनियन को यह भी रोष था कि 2005 में मिलने वाली कीमतें 1930 के दशक में आई महामंदी के वक्त रहे मूल्यों से कहीं कम हैं। वह भी ऐसे समय पर जब विश्वभर की आर्थिकी, स्टॉक मार्केट, व्यापार में विस्मयकारी उछाल हुआ हो और खाद्यान्न उत्पादन भी रिकॉर्ड तोड़ हो। इसमें कृषि-संकट का हल निकालने को 16 सूत्रीय पैकेज में उपाय सुझाए गए थे, सूची में न्यूनतम कृषि आय सुनिश्चित करना सबसे ऊपर था। यूनियन ने सरकार को कृषि आय-सहायता कार्यक्रम लागू करने को कहा ताकि कम-से-कम 95 प्रतिशत किसान उत्पादन की लागत निकाल पाएं, इसकी गणना में श्रम, प्रबंधन का मेहनताना और निवेश पर सूद भी शामिल हो। लेकिन अमेरिका की तरह कनाडा की सरकार ने भी गारंटिड मूल्य बनाने की किसानों की इस जायज मांग को नज़रअंदाज़ कर दिया। यह होना ही था क्योंकि क्योंकि दुनियाभर की सरकारें कृषकों-पशुपालकों की सम्माननीय आजीविका सुनिश्चित करने की जरूरत को स्वीकार करने से कतराती हैं। नतीजतन, विश्वभर के किसान घाटा उठाकर भी अनाज उगाने का अभिशाप ढो रहे हैं।

लेखक खाद्य एवं कृषि मामलों के विशेषज्ञ हैं।

इमरान साहब,बेहतर होगा आप हमारी छोड़ अपने देशवासियों की चिंता करें

(लेखक- तनवीर जाफ़री)

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान ख़ान ने पिछले दिनों ट्यूटर के माध्यम से यह चिंता ज़ाहिर की कि-'भारत में अल्पसंख्यकों को अतिवादी समूह निशाना बना रहे हैं और इस तरह का एजेंडा क्षेत्रीय शांति के लिए एक वास्तविक और वर्तमान ख़तरा है। उन्होंने यह आरोप दिसंबर में हरिद्वार में हुई कथित धर्म संसद के दौरान कुछ कथित संतों द्वारा मुसलमानों के ख़िलाफ़ अपमानजनक व भड़काऊ भाषण दिए जाने के सन्दर्भ में लगाये ।इमरान ख़ान ने यह भी पूछा कि क्या भारतीय जनता पार्टी की सरकार भारत में अल्पसंख्यकों के सामूहिक संहार की मांग का समर्थन करती है, जिस देश में 20 करोड़ से अधिक मुसलमान रहते हैं ? उन्होंने कहा कि यही समय है जब अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इसका संज्ञान लेना चाहिए और कार्रवाई करनी चाहिए। इसके पूर्व भी गत माह पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने भारत के अधिकारी को पेश होने के लिए कहा था और हरिद्वार की कथित धर्म संसद में दिए गए भड़काऊ भाषणों को लेकर अपनी आपत्ति व्यक्त की थी। उस समय भी पाकिस्तान ने भारतीय पक्ष से कहा था कि कथित भड़काऊ भाषणों को नागरिक समाज गंभीर चिंता के साथ देख रहा है। भारतीय मुसलमानों को लेकर पाक प्रधानमंत्री इमरान ख़ान द्वारा व्यक्त की जाने वाली 'कथित चिंता' कई तरह के सवालों को जन्म देती है। पहला तो यह कि क्या 'पाकिस्तान जैसे देश' के प्रधानमंत्री को नैतिकता के आधार पर यह हक़ पहुँचता है कि वे भारतीय मुसलमानों के प्रति अपनी चिंता जतायें ? स्वयं पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों का क्या हाल है यह भी दुनिया से छुपा नहीं है। पाकिस्तान में तो हरिद्वार की धर्म संसद की तरह आये दिन किसी भी वर्ग अथवा विचारों की भीड़ खड़ी होकर किसी भी समुदाय को ललकारने लगती है। उन्हें नेस्तो-नाबूद करने की बात करती रहती है। आये दिन अल्पसंख्यक समाज की किसी लड़की के अपहरण,उसका जबरन धर्मपरिवर्तन कर विवाह करने जैसी ख़बरें आती रहती हैं। इसी पाकिस्तान में केवल मंदिरों,गुरद्वारों व चर्च पर ही नहीं बल्कि मुसलमानों के ही अलग अलग वर्ग से जुड़ी मस्जिदों,दरगाहों,इमाम बारगाहों तथा जुलूस आदि जैसे धार्मिक आयोजनों पर न केवल साधारण हमले बल्कि आत्मघाती हमले तक किये जाते हैं। पाकिस्तान ही वह देश है जिसने तालिबान को गोद लिया उसकी परवरिश की और अब वही तालिबान पाकिस्तान के नियंत्रण से बाहर हो चला है ? पाकिस्तान की भारतीय मुसलमानों के प्रति चिंता यह सवाल भी खड़ा करती है कि आपके देश के लोगों,आपकी सरकार व नेतृत्व ने जो कि 'मुस्लिम परस्त ' होने का दावा किया करता था उसने पूर्वी पाकिस्तान के अपने ही 'क़ौमी भाईयों' (मुसलमानों) के साथ ऐसे बरताव क्यों किये कि 1971 जैसे हालात बने ? उस वक़्त कहाँ चला गया था पाकिस्तान का मुस्लिम प्रेम ? सही मायने में तो धर्म के नाम पर किया गया वह सबसे बड़ा धोखा था कि भारतीय मुसलमानों को धर्म नाम पर वरग़लाया गया और 1947 व 1971 के बीच ही क्षेत्रवाद ने अपना झंडा धर्म से भी ऊँचा कर लिया ? आज रोहंगिया मुसलमानों पर बुरा वक़्त आया है। पाकिस्तान की रोहंगिया मुसलमानों के प्रति कोई हमदर्दी नहीं दिखाई या सुनाई देती। जबकि बांग्लादेश उनको शरण देने वाला एक प्रमुख देश है। पिछले दिनों पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति का ज़िक्र करते हुये इमरान ख़ान ने स्वयं स्वीकार किया कि 'पाकिस्तान के इतिहास में किसी भी सरकार को इतने बड़े राजस्व घाटे और चालू खाता घाटे का सामना नहीं करना पड़ा। अगर हमारे मित्र देश चीन, यू ए ई व सऊदी अरब ने फ़ंड ना दिया होता तो हम डिफ़ॉल्ट कर गए होते। हमारे पास क़र्ज़ चुकाने के लिए पैसे नहीं थे। रुपए को गिरने से बचाने के लिए डॉलर नहीं थे'। इमरान ख़ान द्वारा दिया गया यह वक्तव्य जहां पाकिस्तान की डूबती अर्थव्यवस्था की ओर इशारा करता है वहीं यह सोचने के लिये भी मजबूर करता है कि भारत में मुस्लिम विरोधी आयोजन की चिंता करने वाले इमरान ख़ान ने आख़िर चीन के ज़िंजियांग प्रांत के उईगर मुसलमानों के साथ चीन सरकार द्वारा किये जा रहे अत्याचारों के विरुद्ध कभी चीनी दूतावास के अधिकारी को बुलाकर अपने 'धर्म-प्रेम' का इज़हार क्यों नहीं किया ? चीन में तो मुसलमानों के लिये कई बड़े हिरासत केंद्र केंद्र बनाये गये हैं जहां उनके साथ वह सब कुछ हो रहा है जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। परन्तु दुनिया तो ख़ामोश है ही, आश्चर्य है कि दुनिया के मुसलमानों की चिंता करने वाला पाकिस्तान भी ख़ामोश है ? क्या इस ख़ामोशी की वजह यही है कि चीन ने फ़ंड देकर पाकिस्तान को डिफ़ॉल्ट होने से बचाया है ? दरअसल दोनों देश कभी एक ही थे इसलिये दोनों ही देशों की तर्ज़-ए-सियासत भी एक जैसी ही है। दोनों ही देशों की सरकारों को जब जनता का ध्यान जनसरोकार से जुड़े मुद्दों से भटकाना होता है उस समय दोनों ही देश एक दूसरे पर 'अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव व ज़ुल्म' का मुद्दा उछालने लगते हैं। कश्मीर को भी केंद्र में रखकर दोनों ही देश अपने अपने देशवासियों के बीच 'राष्ट्रवाद ' की ज्योत जलाने लगते हैं। मँहगाई व बेरोज़गारी दोनों ही देशों की सरकारों के संभाले नहीं संभल रहे हैं परन्तु एक दूसरे देश के अल्पसंख्यकों की चिंता सभी को सताये रहती है। अपने देश के अल्पसंख्यकों की रक्षा करने व उन्हें न्याय दिलाने के बजाये 'स्वधर्मी' होने के नाम पर घड़ियाली आंसू बहाये जाते हैं। भारतीय मुसलमान आज भी जितना ख़ुश व सुरक्षित भारत में है उतना दुनिया के किसी अन्य देश में नहीं। भारतीय मुसलमानों के साथ देश के गांधीवादी विचारधारा के उदारवादी हिन्दू हमेशा से खड़े हैं। आज भी भारत में जो सरकार खांटी हिन्दुत्ववाद का झण्डा उठाये है जिसके संरक्षण के चलते हरिद्वार की कथित धर्म संसद जैसी धर्म विशेष का विरोध करने वाली बयानबाज़ियाँ हो रही हैं, उसका सबसे अधिक विरोध भारतीय हिन्दू समाज से जुड़े लोग ही कर रहे हैं। दोषियों के विरुद्ध कार्रवाइयां हो रही हैं। राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी निंदा की जा रही है।

आज के कार्टून

मन को बांधना

जग्गी वासुदेव

अगर आप मन के परे चले जाएं तो आप पूरी तरह से कर्मिक बंधनों के भी परे चले जायेंगे। आप को कर्मों को सुलझाने में असल में कोई प्रयास नहीं करना पड़ेगा, क्योंकि जब आप अपने कर्मों के साथ खेल रहे हैं तो आप ऐसी चीज़ के साथ खेल रहे हैं, जिसका कोई अस्तित्व नहीं है। यह मन का एक जाल है। बीते हुए समय का कोई अस्तित्व नहीं है पर आप इस अस्तित्वहीन आयाम के साथ ऐसे जुड़े रहते हैं, जैसे कि वही वास्तविकता हो। सारा भ्रम बस यही है। मन ही इसका आधार है। अगर आप मन से परे चले जाते हैं तो एक ही झटके में हर चीज़ के पार चले जाते हैं। आध्यात्मिक विज्ञान के सभी प्रयास बस इसीलिए हैं कि मन से परे कैसे जाएं? मन की सीमाओं से बाहर जा कर जीवन को कैसे देखें? बहुत से लोगों ने योग को अलग-अलग ढंग से परिभाषित किया है। लोग कहते हैं-'अगर आप ब्रह्मांड के साथ एक हो जाते हैं, तो ये योग है। खुद से परे चले जाते हैं तो योग है। भौतिकता के नियमों से प्रभावित नहीं हैं तो योग है।' ये सब बातें ठीक हैं। अदभुत परिभाषाएं हैं, इनमें कुछ भी गलत नहीं है, मगर अपने अनुभव की दृष्टि से आप इनसे संबंध नहीं बना पाते। किसी ने कहा,'अगर आप ईश्वर के साथ एक हो जाते हैं तो आप योग में हैं। आप नहीं जानते कि ईश्वर कहां हैं तो आप एक कैसे हो सकते हैं? पर पतंजलि ने ऐसा कहा-'मन के सभी बदलावों से ऊपर उठना, जब आप मन को समाप्त कर देते हैं, जब आप अपने मन का एक भाग बनना बंद कर देते हैं, तो ये योग है।' इस दुनिया के सभी प्रभाव आप में सिर्फ मन के माध्यम से ही आ रहे हैं। अगर आप, अपनी पूर्ण जागरूकता में, अपने मन के प्रभावों से ऊपर उठते हैं तो आप स्वाभाविक रूप से हर चीज़ के साथ एक हो जाते हैं। आपका और मेरा अलग-अलग होना, समय-स्थान की सारी भिन्नताएं भी, सिर्फ मन के कारण होती हैं। ये मन का बंधन है। अगर आप मन से परे हो जाते हैं तो समय-स्थान से भी परे हो जाएंगे। अगर आप मन के सभी बदलावों और अभिव्यक्तियों से ऊपर उठते हैं तो आप मन के साथ खेल सकते हैं। अपने मन का उपयोग जबरदस्त तरीके से कर सकते हैं पर अगर आप मन के अंदर हैं तो आप कभी भी मन की प्रकृति को नहीं समझ पायेंगे।

सू-दोकू नवताल - 2025

	1	5	6		2			7
7	2			8				3
3		8	5	9			4	
	9		7		4	2	6	8
			1		3			
5	7	6	8		9		1	
	5			4	8	7		6
9				7			2	1
6			2		5	4	8	

सू-दोकू -2024 का हल

4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2025

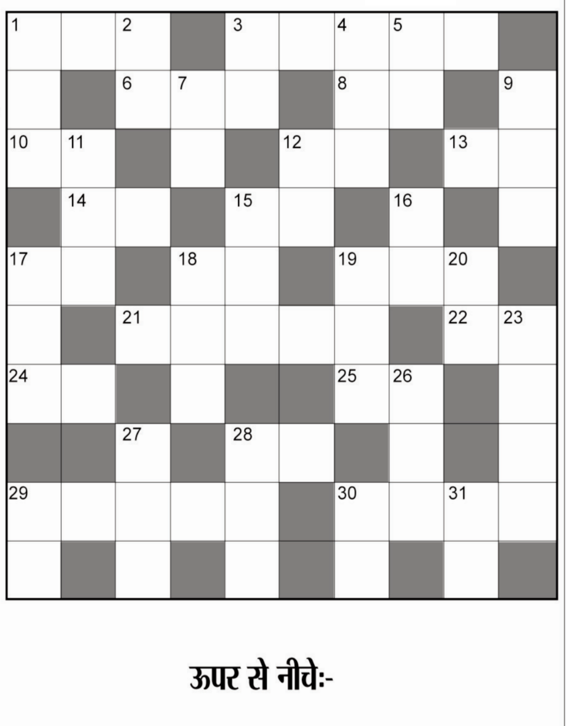

बायें से दायें:-

1. डिनो मारिया, इरफान खान, बिपाशा बसु, प्रीति झंगियानी की फिल्म-3
3. 'रंगीला रे, तेरे रंग में, रंगा है मेरा मन' गीत वाली फिल्म-2,3
6. फिल्म 'घर का चिराग' में नायिका-3
8. 'तौबा तौबा इश्क ना करियो' गीत वाली फिल्म-2
10. 'चिट्ठी आई है वतन से' गीत वाली संजयदत्त, पूनम ढिल्लो की फिल्म-2
12. सनी देओल, सुष्मिता सेन की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-2
13. 'तुझे रब ने बनाया है कमाल' गीत वाली आमिर खान फिल्म-2
14. 'रुकी रुकी सी जिंदगी' गीत वाली फिल्म-2
15. 'सुबह सुबह जब खिड़की खोले' गीत वाली बिजॉय आनंद, कृतिका पाने, सोनू वालिया की फिल्म-2
17. मिथुन चक्रवर्ती की 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-2
18. 'आके भर लो बाजुओं में' गीत वाली सलमान खान, स्नेहा उल्लाल की फिल्म-2
19. दिलीपकुमार, की 'वतन की राह में वतन के नौजवां' गीतवाली फिल्म-3
21. 'आई है तेरे आने की चिट्ठी' गीत वाली राकेश रोशन, राज बब्बर, अमोल पालेकर, रेखा की फिल्म-5
22. देव आनंद, निम्मी की 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-2
24. 'नशा है आज देख ले' गीत वाली सनी देओल, विवेक ओबेराय, समीरा रेड्डी की फिल्म-2
25. फिल्म 'ताजमहल' की नायिका-2
28. जीतेंद्र, रीनाराय, रामेश्वरी की फिल्म-2
29. सुनीलदत्त, नूतन की 'मेरा गधा गधों का लीडर' गीत वाली फिल्म-5
30. 'ये मुलाकात एक बहाना है' गीत वाली जीतेंद्र, सुलक्षणा पंडित की फिल्म-4

ऊपर से नीचे:-

1. अनिल धवन, रेहाना सुल्तान की 'मैं तो हर मोड़ पर दूंगा' गीत वाली फिल्म-3
2. फिल्म 'चोरी चोरी' की नायिका कौन थी-2
3. संजय कपूर, तब्बू की 'ओ मेरी चूड़ियां बजी' गीत वाली फिल्म-2
4. 'तू मैके मत जइयो' गीतवाली फिल्म-3
5. देव आनंद, गीता बाली की 'चाँदनी रातें प्यार की बातें' गीत वाली फिल्म-2
7. 'मैं ऐसा क्यों हूं' गीत वाली अमिताभ बच्चन, रितिक रोशन, प्रीति जिंटा की फिल्म-2
9. गोविंदा, करिश्मा की 'मेरी पैंट भी सैक्सी ' गीत वाली फिल्म-3
11. 'रहते थे जिनके दिल में' गीत वाली धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-3
12. 'अपुन बोला तू मेरी लैला' गीत वाली फिल्म-2
15. 'गर तुम भुला न दोगे' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-3
16. फिल्म 'हम हैं राही प्यार के' में नायिका-2
17. 'न तू जमीं के लिए' गीत वाली दिलीप कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
18. कुमार गौरव, पद्मिनी कोल्हापुरे की 'मुलाकातों का मौसम आ गया' गीत वाली फिल्म-3
19. 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीतवाली फिल्म-3
20. संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, एशा देओल, शिल्पा की 'दीदार दे दीदार दे' गीत वाली फिल्म-2
23. 'हमको मालूम है इश्क मासूम है' गीत वाली सलमान की फिल्म-4
26. नवीन निश्चल, आशा पारेख की 'जीवन भर ढूंढा जिसको' गीत वाली फिल्म-3
27. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-3
28. राजेश खन्ना, शर्मिला, अमिताभ की फिल्म-3
29. राहुल राय, करिश्मा कपूर की फिल्म-2
30. 'ऐसा जादू डाला रे' गीत वाली फिल्म-2
31. 'दीवाने हैं दीवानों से तू' गीत वाली अक्षय कुमार, रवीना टंडन की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2024

फै	मि	ली		ची	ता		दो	बा	रा
	ला	ला	रु	ख		म	स्ती		जा
पा	प		दा		आ	न		बा	जी
ग		शा	ली	मा	र		गु	रु	
ल	गा	न			जू	ली		द	स
प		दा	स्ता	न		ड	र		त्य
न	ज	र		म	र्ड	र		रा	का
	ह		खा	की			अं	जा	म
नू	री			न	सी	ब		जा	
	ले	कि	न		मा		म	नी	ष

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सेबी ने निवेशकों को जागरूक करने के लिए पेश किया मोबाइल ऐप 'साथी'

नई दिल्ली :

मोबाइल फोन के जरिए शेयर कारोबार के बढ़ते चलन के बीच बाजार नियामक सेबी ने बुधवार को अपना मोबाइल ऐप %साथी% पेश किया। इस पहल का मकसद निवेशकों को प्रतिभूति बाजार की बुनियादी बातों से अवगत कराना है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन अजय त्यागी ने ऐप पेश करते हुए कहा, ''निवेशकों को प्रतिभूति बाजार की जानकारी के साथ सशक्त बनाने की दिशा में यह मोबाइल ऐप सेबी का एक और कदम है।'' उन्होंने कहा कि हाल में बाजार में व्यक्तिगत निवेशकों की संख्या बढ़ी है और सबसे महत्वपूर्ण यह है कि इनमें से बड़ी संख्या में निवेशक कारोबार फोन के जरिए कर रहे हैं। यह ऐप जरूरी जानकारी आसानी से हासिल करने में मददगार होगा। सेबी के ऐप का मकसद निवेशकों को प्रतिभूति बाजार की बुनियादी बातों, केवाईसी प्रक्रिया, कारोबार और निपटान, म्यूचुअल फंड, बाजार के ताजा घटनाक्रम, निवेशक शिकायत निपटान व्यवस्था आदि के बारे में जागरूक करना है। यह ऐप हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध है। त्यागी ने कहा कि आने वाले समय में ऐप क्षेत्रीय भाषाओं में भी उपलब्ध होगा।

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज का मुनाफा 42 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली । आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की दिसंबर में समाप्त तीसरी तिमाही में 42 प्रतिशत बढ़कर 380 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने शेयर बाजार को भेजी जानकारी में बताया कि उसे इससे पिछल वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 257 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। कंपनी की आय 31 दिसंबर को समाप्त चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 52 प्रतिशत बढ़कर 942 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 620 करोड़ रुपए थी। कंपनी की हर क्षेत्र में मजबूत कारोबार से आय बढ़ी है। आईसीआईसी सिक्योरिटीज के पास वर्तमान में 70 लाख ग्राहक है। इसमें 6.8 लाख ग्राहक कंपनी ने समीक्षाहीन तिमाही में जोड़े हैं।

पावर फाइनेंस, आरईसी ने ऋण पर ब्याज दरों में 0.4 प्रतिशत की कटौती की

मुंबई । सार्वजनिक क्षेत्र की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) और आरईसी लिमिटेड ने अपने सभी प्रकार के ऋण पर ब्याज दरों में 0.4 प्रतिशत की कटौती की घोषणा है। बिजली मंत्रालय ने कहा कि पीएफसी और आरईसी ने अपने हर तरह के ऋण पर ब्याज दरों को 0.4 प्रतिशत तक घटाया है। मंत्रालय ने कहा कि कर्ज की कम लागत के कारण इन संगठनों ने ब्याज दरों को कम किया है। पीएफसी और आरईसी पहले से ही 6.25 प्रतिशत की न्यूनतम ब्याज दरों पर अल्पकालिक ऋण प्रदान कर रही हैं। बयान के अनुसार, केंद्रीय ऊर्जा और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह ने दरों को कम करने और प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए दोनों कंपनियों द्वारा जारी प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऋण की दरों में लगातार कमी करने से बिजली इकाइयों को प्रतिस्पर्धी दरों पर उधार लेने तथा बिजली क्षेत्र के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए निवेश करने में मदद मिलेगी।

क्रेडआर पुराने दो पहिया वाहनों का कारोबार बढ़ाएगी

नई दिल्ली । पुराने दो पहिया वाहनों के खरीद-बिक्री मंच क्रेडआर ने बुधवार को कहा कि अपना करोबार बढ़ाने पर विचार कर रही है। क्रेडआर ने कहा कि वह कारोबार का विस्तार करने के लिए 2022-23 में करीब 1.5 करोड़ डॉलर (करीब 110 करोड़ रुपए) का निवेश करेगी। उसकी योजना वित्त वर्ष 2022-23 में 50 क्रेडआर शोरूम खोलने और 2024 तक 100 से अधिक शोरूम खोलने की है। कंपनी की योजनाओं के बारे क्रेडआर के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वैश्विक महामारी के दौरान हमारे कारोबार में असाधारण तरीके से तेजी आई। कोविड के बाद का प्रतिसाद बहुत बढ़िया था इसलिए हमने अपनी विस्तार योजनाओं को अमलीजामा पहनाने का फैसला किया। कंपनी ने अहमदाबाद, राजकोट, वडोदरा, गुड़गांव और फरीदाबाद में अपने परिचालन का विस्तार किया है। जबकि बेंगलुरु, पुणे, जयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ और दिल्ली में उसकी मौजूदगी पहले से थी।

बजाज फाइनेंस का मुनाफा 2,125 करोड़ रहा

नई दिल्ली । बजाज फाइनेंस का चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में मुनाफा 85.5 प्रतिशत बढ़कर 2,125.29 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 1,145.98 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि अक्टूबर-दिसंबर 2021 के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 8,535.06 करोड़ रुपए पर पहुंच गई जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 6,658.34 करोड़ रुपए थी। तीसरी तिमाही में कंपनी की प्रबंधन-अधीन कुल परिसंपत्तियां 26 प्रतिशत बढ़कर 1,81,250 करोड़ रुपए पर पहुंच गईं, जो एक साल पहले समान तिमाही में 1,43,550 करोड़ रुपए थीं। तिमाही के दौरान कंपनी की ब्याज आय 40 प्रतिशत बढ़कर 6,000 करोड़ रुपए रही, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 4,296 करोड़ रुपए थी।

आईईएक्स आईजीएक्स की 4.93 फीसदी हिस्सेदारी इंडियन ऑयल को बेचेगा

नई दिल्ली ।

बिजली बाजार इंडियन एनर्जी एक्सचेंज (आईईएक्स) ने अपने गैस एक्सचेंज आईजीएक्स की 4.93 फीसदी इक्विटी हिस्सेदारी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन को बेचने की बुधवार को घोषणा की। आईईएक्स के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक एसएन गोयल ने कहा कि यह कदम भारत में गैस बाजार के निर्माण के संयुक्त प्रयास के लिहाज से अच्छा संकेत है और यह 2030 तक ऊर्जा मिश्रण में गैस की हिस्सेदारी को 15 प्रतिशत तक बढ़ाने के सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है। गोयल ने कहा` कि गैस क्षेत्र में इंडियन ऑयल की विशेषज्ञता भारतीय बाजारों के लिए नए उत्पादों को जोड़ने में मदद करेगी। इंडियन ऑयल की तेल, गैस, पेट्रोकैमिकल के साथ-साथ उर्वरक क्षेत्र में भी मौजूदगी है। इंडियन ऑयल के चेयरमैन श्रीकांत माधव वैद्य ने कहा` कि गैस आधारित अर्थव्यवस्था के निर्माण और देश मे जीवंत गैस बाजार बनाने में इंडियन गैस एक्सचेंज की महत्वपूर्ण भूमिका को हम स्वीकार करते हैं।

हीरो इलेक्ट्रिक और महिंद्रा ने इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में समझौता किया

मुंबई ।

वाहन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी हीरो इलेक्ट्रिक और महिंद्रा समूह ने इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में रणनीतिक समझौते की बुधवार को घोषणा कर दी। दोनों कंपनियों ने संयुक्त बयान में कहा कि साझेदारी के तहत, बाजार की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए महिंद्रा समूह मध्य प्रदेश के पीथमपुर स्थित अपने संयंत्र में हीरो इलेक्ट्रिक की लोकप्रिय इलेक्ट्रिक बाइक 'ऑप्टिमा और 'एनवाईएक्स का विनिर्माण करेगी। इस समझौते के बाद और लुधियाना स्थित केंद्र का विस्तार करने से हीरो 2022 तक प्रतिवर्ष दस लाख इलेक्ट्रिक वाहनों के विनिर्माण की मांग को पूरा करने में सक्षम होगा। हीरो इलेक्ट्रिक के प्रबंध निदेशक नवीन मुंजाल ने कहा, साझेदारी में दोनों कंपनियां इलेक्ट्रिक वाहन के क्षेत्र में एक दूसरे के गहरे ज्ञान का लाभ उठाएंगी और अगले कुछ वर्षों में नए उत्पादों का निर्माण करेंगी।महिंद्र एंड महिंद्रा के कार्यकारी निदेशक (ऑटो एंड फार्म) ने कहा कि इस रणनीतिक साझेदारी से दोनों कारोबारों की संयुक्त ताकत का लाभ मिलेगा।

विजय माल्या से 206 करोड़ वसूलने उसका लंदन का लग्जरी अपार्टमेंट बेचेगा स्विस बैंक

लंदन ।

भारत के भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या पर अब ब्रिटेन में भी धोखाधड़ी करने आरोप लगने लगा है। खबर है कि विजय माल्या से करीब 206 करोड़ रुपए के बकाये की वसूली के लिए स्विस बैंक विजय माल्या का लंदन स्थित आलीशान घर को बिक्री करेगा। ब्रिटेन में विजय माल्या इससे संबंधित केस हार गए हैं। ब्रिटेन के हाई कोर्ट ने स्विस बैंक यूबीएस से लंबे समय से चल रहे इस विवाद में विजय माल्या को स्टे देने से इनकार कर दिया है। जानकारी के अनुसार मंगलवार को वर्चुअल तरीके से सुनवाई के दौरान अपना फैसला सुनाते हुए हाई कोर्ट के डिप्टी मास्टर मैथ्यू मार्श ने कहा कि यूबीएस का 206 करोड़ रुपए (20.4 मिलियन जीबीपी) का कर्ज चुकाने के लिए और वक्त देने का फिलहाल कोई आधार नहीं है। लंदन के रीजेंट पार्क में 18/19 कॉर्नवॉल टेरेस स्थित लग्जरी अपार्टमेंट में माल्या की 95 वर्षीय मां ललिता रहती हैं। इसके मालिकों में विजय माल्या, उनके बेटे सिद्धार्थ माल्या और मां ललिता का नाम है। रिपोर्ट्स के अनुसार स्विस बैंक यूबीएस के साथ लंबे समय से जारी कानूनी विवाद में माल्या के इस घर को खाली कराने का आदेश दिया गया था। माल्या ने इस आदेश के अनुपालन पर रोक लगाने की मांग की थी, लेकिन लंदन हाई कोर्ट के चांसरी डिविजन के न्यायाधीश मैथ्यू मार्श ने अपने फैसले में कहा कि माल्या परिवार को बकाया राशि के भुगतान के लिए अतिरिक्त समय देने का कोई आधार नहीं है. इसका मतलब है कि माल्या को इस संपत्ति से बेदखल किया जा सकता है। माल्या को इस स्विस बैंक को 2.04 करोड़ पाउंड का कर्ज लौटाना है। रिपोर्ट्स के अनुसार मई 2019 में जज सिमोन बार्कर ने माल्या को 30 अप्रैल 2021 तक लोन चुकाने का समय देते हुए फ्लैट पर कब्जा बरकरार रखने का आदेश दिया था, लेकिन माल्या इस तारीख तक कर्ज चुकाने में असमर्थ रहे। इस बीच यूबीएस हाई कोर्ट पहुंचा था। अब यूबीएस कर्ज वसूल करने के लिए इस लग्जरी अपार्टमेंट को बेच सकता है।

सेंसेक्स 656 अंक गिर कर 61 हजार के नीचे बंद, इंफोसिस 2.85% टूटा

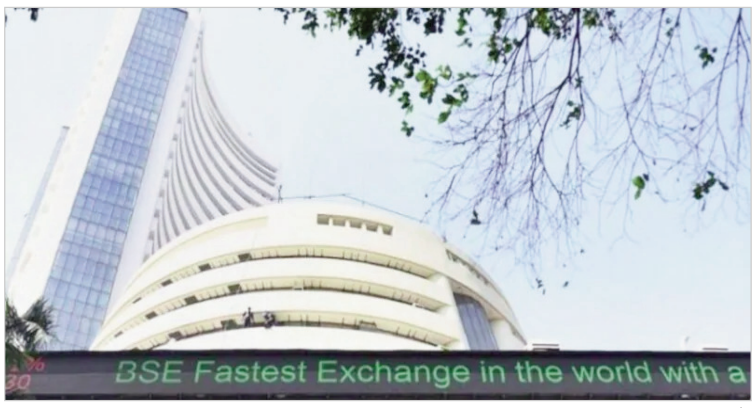

मुंबई :

घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट रही और मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों करीब एक प्रतिशत टूटकर बंद हुए। नीतिगत दरों में वृद्धि को लेकर चिंता के बीच वैश्विक शेयर बाजारों में गिरावट के साथ आईटी, बैंक और दैनिक उपभोग का सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में नुकसान से बाजार नीचे आया। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 656.04 अंक यानी 1.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 60,098.82 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 23 शेयर नुकसान में रहे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 174.65 अंक यानी 0.96 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,938.40 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 35 नुकसान में रहे। सेंसेक्स के शेयरों में इन्फोसिस सबसे अधिक 2.85 प्रतिशत नुकसान में रही। अन्य आईटी शेयरों में टीसीएस 1.87 प्रतिशत, विप्रो 1.52 प्रतिशत और एचसीएल टेक 1.70 प्रतिशत नीचे आए। इसके अलावा एशियन पेंट्स 2.71 प्रतिशत, एचयूएल 2.41 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 2.07 प्रतिशत और कोटक बैंक 1.86 के प्रतिशत नुकसान में रहे। शेयर बाजार में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 1,254.95 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की करीब 3 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी 0.8 प्रतिशत, चीन का शंघाई कंपोजिट 0.3 प्रतिशत नीचे रहा। जबकि हांगकांग के हैंगसेंग में तेजी रही।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी का शुद्ध लाभ तीसरी तिमाही में दोगुना से अधिकार होकर 324 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली,

जेएसडब्ल्यू एनर्जी का शुद्ध लाभ 31 दिसंबर को समाप्त चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में दोगुना से अधिक होकर 324 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आय में वृद्धि से कंपनी का लाभ बढ़ा है। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 124 करोड़ रुपये रहा था। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने बुधवार को शेयर बाजारों को बताया कि आलोच्य तिमाही के दौरान सालाना आधार पर उसकी कुल आय 20 प्रतिशत बढ़कर 1,984 करोड़ रुपये हो गई। एक साल पहले की इसी अवधि में यह 1,659 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने बताया कि समीक्षाहीन तिमाही के दौरान नियामकीय देनदारियों पर ब्याज से संबंधित वित्त की लागत 25 करोड़ रुपये रही। इसके अलावा कंपनी की कुल नेटवर्थ और कुल कर्ज चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में बढ़कर क्रमश = 16,082 करोड़ और 6,021 करोड़ रुपये हो गया। इसके साथ ही कंपनी का ऋण से इक्विटी अनुपात 0.37 प्रतिशत रहा।

श्रेई समूह के समाधान पेशेवर के तौर पर ईवाई अधिकारी की नियुक्ति हितों का टकराव: एफसीआरपी

मुंबई

समाधान प्रक्रिया के तहत कंपनियों के लिए मंच (एफसीआरपी) ने कर्ज समाधान प्रक्रिया से गुजर रहे श्रेई समूह के लिए समाधान पेशेवर के तौर पर सलाहकार फर्म ईवाई के एक शीर्ष अधिकारी की नियुक्ति पर चिंता जताते हुए कहा है कि यह हितों के टकराव से जुड़ा मामला है। कारोबारियों के दिवालिया प्रक्रिया से जुड़े समूह एफसीआरपी ने संसद की वित्त समिति को लिखे अपने एक पत्र में कहा है कि ईवाई में वित्तीय सेवा के प्रमुख अबिजर दीवानजी को श्रेई समूह का समाधान पेशेवर नियुक्त करना सही नहीं है। उसने हितों के टकराव का मामला उठाते हुए कहा है कि कुछ महीने पहले तक ईवाई श्रेई समूह के साथ ही काम कर रही थी। एफसीआरपी ने भारतीय दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) के प्रमुख नवरंग सैनी और कंपनी मामलों के सचिव राजेश वर्मा को भी भेजे गए इस पत्र में कहा है कि ईवाई वित्तीय एवं पुनर्गठन सलाहकार के तौर पर श्रेई समूह के साथ काम कर रही थी। ऐसे में ईवाई के ही एक शीर्ष अधिकारी को समाधान पेशेवर नियुक्त करना उचित नहीं है। श्रेई समूह पर कई बैंकों की करीब 30,000 करोड़ रुपये की देनदारी है। इसके चुकाने में नाकाम रहने के बाद भारतीय रिजर्व बैंक ने श्रेई समूह को दिवाला संहिता के तहत कर्ज समाधान प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दे दिया।

दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहित (आईबीसी) के तहत राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) एक समाधान पेशेवर की नियुक्ति करता है जो संबंधित कंपनी के रोजमर्रा का संचालन करने के साथ ही बकाया रकम की वसूली के लिए जरूरी कदम उठाता है। श्रेई समूह की कंपनियों के लिए समाधान पेशेवर के तौर पर ईवाई के प्रमुख अधिकारी अबिजर दीवानजी की नियुक्ति की गई है। एफसीआरपी ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा है, ''ऐसा पहले कभी नहीं सुना गया है। यह निस्संदेह हितों के टकराव का मामला बनता है। आरबीआई जैसी प्रतिष्ठित संस्था का भी इस बारे में कोई कदम न उठाना अचंभित करता है।'' इस मुद्दे पर आईसीएआई के पूर्व अध्यक्ष उत्तम अग्रवाल ने पीटीआई-भाषा से कहा कि श्रेई समाधान पेशेवर के तौर पर ईवाई अधिकारी की नियुक्ति स्पष्ट तौर पर हितों के टकराव का मामला है।

देश में दूरसंचार ग्राहकों की संख्या बढ़कर 119.1 करोड़ पहुंची

नई दिल्ली ।

देश में दूरसंचार ग्राहकों की संख्या नवंबर 2021 के ओ खिरी तक बढ़कर 119.1 करोड़ पर पहुंच गई। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इस दौरान रिलायंस जियो और भारतीय एयरटेल के कनेक्शनों की संख्या बढ़ी है। जियो ने फिक्स्ड लाइन ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या के मामले में बीएसएनएल को पीछे छोड़ दिया है। इस खंड में उसके कनेक्शनों की संख्या 43.4 लाख हो गई है। अभी तक इस क्षेत्र पर सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी का दबदबा था। देश में कुल मोबाइल ग्राहकों की संख्या नवंबर ओ खिरी तक बढ़कर 116.75 करोड़ हो गई। ट्राई की मासिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। माह के दौरान मोबाइल और फिक्स्ड लाइन कनेक्शनों दोनों में वृद्धि हुई। अक्टूबर, 2021 के ओ खिर तक कुल मोबाइल ग्राहकों की संख्या 116.63 करोड़ थी। मोबाइल खंड में रिलायंस जियो के कनेक्शनों की संख्या 20,19,362 बढ़कर 42.8 करोड़ पर पहुंच गई। भारती एयरटेल ने इस दौरान 13,18,251 नए मोबाइल ग्राहक जोड़े। वोडाफोन आइडिया के मोबाइल कनेक्शनों की संख्या 18,97,050 घटकर 26.71 करोड़ पर आ गई। सार्वजनिक क्षेत्र की बीएसएनएल ने माह के दौरान 2,40,062 कनेक्शन गंवाए। वहीं एमटीएनएल के ग्राहकों की संख्या 4,318 घट गई। देश में फिक्स्ड लाइन कनेक्शनों की संख्या नवंबर में बढ़कर 2.35 करोड़ पर पहुंच गई। अक्टूबर में यह 2.33 करोड़ थी।

सरकार ने इंटरनेशनल रोमिंग सिम कार्ड नियम बदले

मुंबई ।

दूरसंचार विभाग ने अंतरराष्ट्रीय रोमिंग कार्ड की बिक्री के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) संबंधी नियमों में संशोधन किया है। विभाग ने कहा कि यह कदम उपभोक्ता संरक्षण को बेहतर करने के लिए उठाया गया है। इस कदम से विदेश जाने वाले भारतीयों को फायदा होगा। साथ ही इससे प्रक्रियाओं को अन्य लाइसेंस की तर्ज पर सुसंगत किया जा सकेगा। संशोधित नीति के तहत एनओसी धारकों को ग्राहक सेवा, संपर्क ब्योरे, शुल्क प्लान और सेवाओं की पेशकश आदि के बारे में सूचना उपलब्ध कराने के लिए प्रावधान करने होंगे। इसके अलावा बिलिंग और उपभोक्ता शिकायत निपटान को मजबूत करने के लिए भी इसमें प्रावधान किए गए हैं। इससे पहले दिसंबर में दूरसंचार विभाग की तरफ से नया` नियम जारी किया गया था, जिसमें ज्यादा सिम रखने की छूट को समाप्त कर दिया गया। दूरसंचार विभाग के नए नियम के मुताबिक अब 9 से ज्यादा सिम रखने वाले यूजर को सिम कार्ड का वेरिफिकेशन करना अनिवार्य हो गया है। बताया गया था कि अगर ये सिम कार्ड वेरिफाई नहीं होते, तो इन्हें बंद कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि जम्मू कश्मीर और नार्थ ईस्ट के राज्यों के लिए ये संख्या छह ही है। दूरसंचार विभाग ने दूरसंचार कंपे नियों को उन सभी मोबाइल नंबर को डेटाबेस से हटाने के लिए कहा है जो नियम के अनुसार इस्तेमाल में नहीं हैं। दूरसंचार विभाग की तरफ से जारी आदेश में कहा गया है कि कस्टमर्स के ग्राहकों के पास अनुमति से ज़्यादा सिम कार्ड पाए जाने की स्थिति में उन्हें अपनी मर्जी का सिम चालू रखने और बाकियों को बंद करने का विकल्प दिया जाएगा लेकिन इसकी समयसीमा 9 से अधिक नहीं होगी।

कोल इंडिया बिजली क्षेत्र की बढ़ी मांग को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध: अधिकारी

कोलकाता ।

सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड आयात पर निर्भर तटीय संयंत्रों सहित बिजली क्षेत्र की कोयले की बढ़ी मांग को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। कोल इंडिया को उम्मीद थी कि पिछले साल दिसंबर तक मांग कम हो जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी से जब पूछा गया कि क्या कंपनी इंडोनेशिया की आपूर्ति बाधाओं के कारण उत्पन्न कमी को पूरा कर पाएगी, तो उन्होंने कहा कि हम बिजली क्षेत्र की कोयले की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, चाहे वह घरेलू हो या आयात पर निर्भर संयंत्र हों। उन्होंने कहा` कि हमने आयात में कटौती करने के लिए तटीय संयंत्रों को थोड़ी बहुत मात्रा में कोयले की आपूर्ति शुरू कर दी है। इंडोनेशिया ने घरेलू कमी के कारण एक जनवरी से कोयले के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था और गतिरोध अभी भी बना हुआ है। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में तेजी आई है। अधिकारी ने कहा कि भारत इंडोनेशिया से प्रति माह 50-90 लाख टन कोयले का आयात करता है। उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी खनन कंपनी कोल इंडिया बिजली क्षेत्र को प्रतिदिन 17.5 लाख टन से अधिक कोयला भेजकर मांग को पूरा करने की कोशिश कर रही है।

बिजली मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर, 2021 में भारत की बिजली की खपत एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 4.5 प्रतिशत बढ़कर 110.34 अरब यूनिट (बीयू) हो गई।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीवी सिंधु सैयद मोदी इंटरनेशनल के दूसरे दौर में पहुंची

लखनऊ ।

ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता पीवी सिंधु ने बुधवार को यहां महिला एकल में हमवतन तान्या हेमंत पर आसान जीत दर्ज करके सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। पिछले सप्ताह इंडिया ओपन सुपर 500 के सेमीफाइनल में हारने वाली 26 वर्षीय सिंधु ने बाबू बनारसी दास इंडोर स्टेडियम में तान्या को एकतरफा मुकाबले में 21-9, 21-9 से हराया। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु का अगला मुकाबला अमेरिका की लॉरेन लैम से होगा जिन्होंने ईरा शर्मा को संघर्षपूर्ण मैच में 15-21, 21-16, 21-16 से पराजित किया। एक अन्य मैच में भारत की कनिका कंवल ने अमेरिका की दिशा गुप्ता को 21-15, 16-21, 21-6 से हराकर जीत से शुरुआत की।

भारतीय स्टार टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा ने किया संन्यास का ऐलान

स्पोर्ट्स डेस्क ।

भारत की टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने संन्यास का ऐलान कर दिया है। सानिया ने कहा कि वह मौजूदा सत्र के बाद संन्यास लेने की योजना बना रही हैं। सानिया ने यह घोषणा तब की जब उन्हें और उनकी यूक्रेनी जोड़ीदार नादिया किचेनोक को बुधवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन के महिला युगल वर्ग में शुरुआती दौर में हार का सामना करना पड़ा। स्लोवेनिया की काजा जुवान और तमारा जिदानसेक ने मिर्जा और किचेनोक को 6-4, 7-6 से हराया। सानिया ने कहा कि इसके कुछ कारण हैं। यह %ठीक है, मैं खेलने नहीं जा रही हूं जो आसान नहीं है। मुझे लगता है कि मेरी रिकवरी में अधिक समय लग रहा है, मैं अपने 3 साल के बेटे को इतनी यात्रा करके जोखिम में डाल रही हूं, उसके साथ यह कुछ ऐसा है जिसे मुझे ध्यान में रखना है। मुझे लगता है कि मेरा शरीर खराब हो रहा है। मेरा घुटना आज वास्तव में दर्द कर रहा था और मैं यह नहीं कह रही कि यही कारण है कि हम हार गए लेकिन मुझे लगता है कि इसे ठीक होने में समय लग रहा है क्योंकि मैं बूढ़ी हो रहा हूं। पूर्व युगल नंबर एक ने अब तक छह ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। सानिया ने कहा कि वह इस सत्र के अंत तक खेलना चाहती हैं लेकिन इससे परे यह मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा मुझे हर रोज बाहर आने के लिए उस प्रेरणा को खोजने होगा। ऊर्जा अब पहले जैसी नहीं है। मैंने हमेशा कहा है कि मैं तब तक खेलूंगी जब तक मैं उसका आनंद लेती हूं, इस प्रक्रिया का मुझे यकीन नहीं है कि मैं अब उतना ही आनंद ले रही हूं। सानिया ने आगे कहा कि ऐसा कहने के बाद भी मैं अभी भी सीजन खेलना चाहती हूं क्योंकि मैं इसका भरपूर आनंद ले रही हूं। मैंने वापस आने, फिट होने, वजन कम करने और माताओं के लिए एक अच्छा उदाहरण स्थापित करने के लिए बहुत मेहनत की है, नई मांएं जितना हो सके अपने सपनों का पालन करें। इस मौसम से परे, मुझे नहीं लगता कि मेरा शरीर ऐसा कर रहा है।

खिताब का दावेदार ऑस्ट्रेलिया महिला एशिया कप के लिए भारत पहुंचा

मुंबई

खिताब का प्रबल दावेदार ऑस्ट्रेलिया गुरुवार को दो मुकाबलों के साथ शुरू हो रहे एएफसी महिला एशियाई कप के लिए यहां पहुंच गया। टूर्नामेंट के 20वें सत्र में 12 टीम हिस्सा लेंगी और तीन स्टेडियम में 30 मुकाबले खेले जाएंगे। भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त बैरी ओफारेल ने ट्वीट किया, 'द मेटिलडास (आस्ट्रेलिया की महिला फुटबॉल टीम) एएफसी एशियाई कप के लिए मुंबई हवाई अड्डे पर पहुंच गई है। उन्हें खेलते हुए देखने के लिए और इंतजार नहीं कर सकता। टूर्नामेंट से पहले ऑस्ट्रेलिया की टीम दुबई में ट्रेनिंग कर रही थी। ऑस्ट्रेलिया ने 2010 में यह टूर्नामेंट जीता था और 2006, 2014 और 2018 में टीम उप-विजेता रही। टीम को पिछले दो फाइनल में जापान के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। फीफा रैंकिंग में 11वें स्थान के साथ टूर्नामेंट की शीर्ष रैंकिंग वाली टीम ऑस्ट्रेलिया और गत चैंपियन जापान खिताब के दावेदारों में शामिल हैं। टूर्नामेंट में फाइनल्स में पहली बार आठ की जगह 12 टीम हिस्सा ले रही हैं। ईरान टूर्नामेंट में पदार्पण कर रहा है। चार टीम के तीन ग्रुप बनाए गए हैं। प्रत्येक ग्रुप से दो शीर्ष टीम और तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीम क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगी। सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली चार टीम ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में 2023 में होने वाले फीफा विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करेंगी। अगर ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में जगह बनाता है तो क्वार्टर फाइनल में हारने वाली चार टीम के बीच दो प्ले आफ मुकाबलों की विजेता टीम भी 2023 फीफा विश्व कप में सीधे जगह बनाएंगी।

एशियाई कप - भारतीय टीम की 2 सदस्य पाई गई कोरोना पॉजिटिव

मुंबई ।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम की दो खिलाड़ियों को एएफसी एशियाई कप से पहले बुधवार को कोविड-19 जांच में पॉजिटिव पाया गया जिससे आयोजकों ने उन्हें पृथकवास के लिये एक चिकित्सा सुविधा में रख दिया है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने ट्वीट किया, 'एएफसी महिला एशियाई कप भारत 2022 के लिए भारतीय सीनियर राष्ट्रीय टीम की दो सदस्यों को कोविड-19 जांच में पॉजिटिव पाया गया है और उन्हें इस समय चिकित्सा सुविधा में पृथकवास में रखा गया है।' महासंघ ने एक अन्य ट्वीट में लिखा, 'एआईएफएफ अपने खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देता है और एएफसी (एशियाई फुटबॉल परिसंघ) द्वारा जारी जरूरी स्वास्थ्य प्रोटोकॉल का पालन कर रहा है।' एआईएफएफ के करीबी एक सूत्र ने कहा कि इन दोनों में से एक खिलाड़ी को ईरान के खिलाफ मैच में शुरूआती एकादश में खेलना था। मेजबान भारत अपने अभियान की शुरूआत ईरान के खिलाफ नवी मुंबई में डीवाई पाटिल स्टेडियम में करेगा। टूर्नामेंट सभी टीमों के लिये काफी मायने रखता है क्योंकि शीर्ष पांच टीमें 2023 फीफा महिला विश्व कप में जह बनायेंगी। भारत को चीन, चीनी ताइपे और ईरान के साथ ग्रुप ए में रखा गया है।

आस्ट्रेलियाई ओपन - ऐश बार्टी का शानदार प्रदर्शन जारी, तीसरे दौर में पहुंची

मेलबर्न ।

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी ऐश बार्टी ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बुधवार को यहां एकतरफा जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में प्रवेश किया। बार्टी ने रॉड लेवर एरिना पर विश्व में 142वीं रैंकिंग की लूसिया ब्रोनजेटी को आसानी से 6-1, 6-1 से पराजित किया। वह लगातार छठे वर्ष इस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंचने में सफल रही। बार्टी ने पिछले 48 गेम से अपनी सर्विस नहीं गंवाई है। पहले दौर में केवल एक गेम गंवाने वाली बार्टी का अगला मुकाबला इटली की एक अन्य खिलाड़ी और 30वीं वरीयता प्राप्त कैमिला जियोर्गी से होगा जिन्होंने चेक गणराज्य की टेरेजा मार्टिनकोवा को 6-2, 7-6 से हराया। आठवीं वरीयता प्राप्त पाउला बाडोसा ने भी इटालियन क्वालीफायर मार्टिना ट्रेविसान को 6-0, 6-3 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। दो बार की ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन विक्टोरिया अजारेंका भी जिल टिचमान को 6-1, 6-2 से हराकर आगे बढ़ने में सफल रही। अमरीका की मेडिसन कीज ने रोमानिया की जैकलिन क्रिस्टीन को 6-2, 7-6 से पराजित किया। यूक्रेन की 15वीं वरीय एलिना स्वितोलिना भी अपनी प्रतिद्वंद्वी के तीसरे सेट में हटने के कारण तीसरे दौर में पहुंचने में सफल रही। जब फ्रांस की हारमोनी टान ने हटने का फैसला किया तब स्वितोलिना 6-3, 5-7, 5-1 से आगे चल रही थी। अमेरिका की 21वीं वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला और यूक्रेन की मार्ता कोस्तुएक भी आगे बढ़ने में सफल रही।

संक्षिप्त समाचार

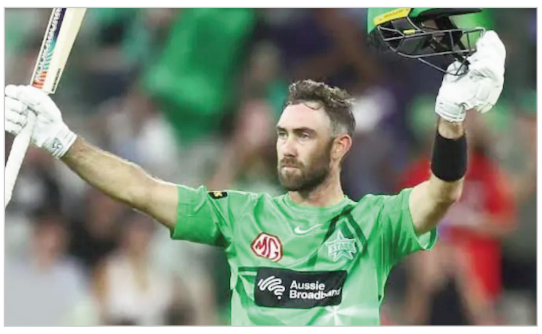

मैक्सवेल ने बिग बैश में लगाया दूसरा सबसे तेज शतक

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलयाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने घरलू बिग बैश लीग टी20 क्रिकेट में शानदार बल्लेबाजी करते हुए एक नया रिकार्ड बनाया है। मैक्सवेल ने अपने 100वें टी20 मैच में मेलबर्न स्टार्स की ओर से खेलते हुए होबार्ट हरिकेंस के खिलाफ तेज शतक लगाया। मैक्सवेल का यह बिग बैश लीग का दूसरा शतक है। मैक्सेवल ने 41 गेंद पर ही अपना शतक लगा दिया। यह बिग बैश लीग के इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक है। सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड क्रेग सिमंस के नाम है। सिमंस ने 2014 में पर्थ स्कॉचर्स की ओर से खेलते हुए एडिलेड स्ट्राइकर्स के खिलाफ 39 गेंद पर शतक लगाया था। मैक्सवेल ने पहले 100 रन में 14 चौके और 3 छक्के लगाए। इस प्रकार 74 रन तो उन्होंने बाउंड्री से ही बना डाले। मैक्सवेल ने पारी के 18वें ओवर में लेग स्पिनर संदीप लमिछाने की पहली 5 गेंद पर लगातार 5 चौके लगाये। छठी गेंद पर उन्होंने 2 रन लिया। वे 64 गेंद पर 154 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने 22 चौके और 4 छक्के लगाए. यह उनके टी20 करियर का बेस्ट स्कोर है। मैक्सवेल के ओवरऑल टी20 करियर की बात करें तो यह उनका 5वां शतक है।

दक्षिण अफ्रीका ने रबाडा को दिया आराम

केपटाउन । दक्षिण अफ्रीका ने तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा को भारत के खिलाफ तीन एकदिवसीय क्रिकेट मैचों की सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किया है। रबाडा को कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम दिया गया है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच एकदिवसीय सीरीज आज से शुरु हो रही है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने अपने एक बयान में कहा कि रबाडा को भारत के खिलाफ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय सीरीज से विश्राम दिया गया है क्योंकि पिछले कुछ समय से उन पर काम का बोझ अधिक रखा है जिसको देखते हुए ही उन्हें आराम दिया गया है ताकि वह अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट श्रृंखला के लिए पूरी तरह से फिट रहें। बोर्ड ने यह भी कहा कि रबाडा की जगह किसी अन्य को टीम में शामिल नहीं किया गया है हालांकि जार्ज लिंडे को अतिरिक्त स्पिन गेंदबाजी विकल्प के तौर पर टीम में रखा गया है।

दक्षिण अफ्रीकी टीम इस प्रकार है: तेम्बा बावुमा (कप्तान) केशव महाराज (उपकप्तान) क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), जुबैर हमजा, मार्को जेनसेन, जानेमन मलान, सिसांडा मगला, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, वायने पर्नेल, एंडिले फेलुकवायो, ड्वेन प्रिटोरियस, जॉर्ज लिंडे, तबरेज शम्सी, रासी वान डर डुसेन और काइल वेरेन।

बोपन्ना और सानिया आस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष और महिला युगल से बाहर

मेलबर्न ।

भारत के रोहन बोपन्ना और सानिया मिर्जा बुधवार को यहां अपने पहले दौर के मैच गंवाने के कारण आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस प्रतियोगिता में क्रमश- पुरुष और महिला युगल के पहले दौर से बाहर हो गए। बोपन्ना और फ्रांस के उनके जोड़ीदार एडुआर्ड रोजर वेसलिन ने वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले क्रिस्टोफर रंगकाट और ट्रीट हुए के खिलाफ अच्छी शुरुआत की लेकिन इसके बाद उनकी लय गड़बड़ा गयी और आखिर में उन्हें पहले दौर के इस मैच में 6-3, 6-7(2), 2-6 से हार का सामना करना पड़ा। यह मैच एक घंटा 48 मिनट तक चला। दूसरी तरफ सानिया और यूक्रेन की उनकी जोड़ीदार नादिया किचनोक स्लावानिया की तमारा जिदानसेक और काजा जुवान की जोड़ी से एक घंटे 37 मिनट में 4-6, 6-7(5) से हार गयी। किचनोक आज लय में नहीं थी और उन्होंने कई सहज गलतियां की। बोपन्ना और सानिया अब मिश्रित युगल में अपना भाग्य आजमाएंगे। बोपन्ना ने क्रोएशिया की दारिया जुराक श्राइबर जबकि सानिया ने अमेरिका के राजीव राम के साथ जोड़ी बनाई है। भारत के चार खिलाड़ियों ने एकल क्वालीफायर्स में हिस्सा लिया था लेकिन उनमें से कोई भी मुख्य ड्रा में जगह नहीं बना पाया। बोपन्ना और वेसलिन के पास ब्रेक प्वाइंट का पहला मौका चौथे गेम में मिला जिसको वे भुनाने में सफल रहे। बोपन्ना ने इसके बाद नौवें गेम में अपनी सर्विस पर पहला सेट अपने नाम किया। रंगकाट और हुए ने दूसरे सेट में शुरू से आक्रामक रुख दिखाया। उन्हें पहले गेम में ही दो बार ब्रेक प्वाइंट लेने का मौका मिला लेकिन वे इसका फायदा नहीं उठा पाए। इसके बाद दोनों जोड़ियों ने अपनी सर्विस बचाये रखी और आखिर में सेट टाईब्रेकर तक खिंच गया। वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाली जोड़ी ने टाईब्रेकर में लगातार छह अंक बनाकर मैच बराबर कर दिया। रंगकाट और हुए ने इसके बाद भी अपनी लय बरकरार रखकर आसानी से तीसरा सेट और मैच अपने नाम किया।

एफसी गोवा ने आईएसएल में खराब रेफरिंग की शिकायत की

पणजी । एफसी गोवा ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में 'रेफरिंग' के खराब स्तर को लेकर अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है तथा केरला ब्लास्टर्स और नॉर्थईस्ट यूनाईटेड के खिलाफ अपने मैचों में कुछ फैसलों पर स्पष्टीकरण भी मांगा है। क्लब ने बयान में कहा कि उसने एआईएफएफ के रेफरी विभाग को दो और 14 जनवरी को खेले गए मैचों के दौरान हुए फैसलों के बारे में लिखा है। एफसी गोवा ने ये मैच क्रमश- केरला ब्लास्टर्स और नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के खिलाफ 2-2 और 1-1 से ड्रॉ खेले थे। बयान में एफसी गोवा के फुटबॉल निदेशक रवि पुष्कर ने कहा, 'जिस तरह से फैसले लिये गये उनका स्तर पेशेवर फुटबॉल के मानकों से नीचे था। हम रेफरिंग के इस स्तर से दुखी और निराश हैं जिसका नुकसान टीम को उठाना पड़ा है।' क्लब ने इन दो मैचों में कई फैसलों पर स्पष्टीकरण मांगा है जिनमें नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के खिलाफ मैच में एक गोल को अमान्य घोषित किया जाना भी शामिल है।

केएल राहुल ने बनाया रिकॉर्ड, ऐसा करने वाले मात्र तीसरे भारतीय खिलाड़ी

पार्ल । दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारत की कप्तानी कर रहे बल्लेबाज लोकेश राहुल 'लिस्ट ए' क्रिकेट में कप्तानी किए बिना 50 ओवर के प्रारूप में देश की अगुआई करने वाले सिर्फ तीसरे खिलाड़ी बने। इससे पहले विकेटकीपर बल्लेबाज सैयद किरमानी और आक्रामक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। नवनियुक्त कप्तान रोहित शर्मा के इस श्रृंखला के लिए पूरी तरह फिट नहीं होने के कारण राहुल को तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। चयनकर्ताओं ने इससे पहले विराट कोहली के टी20 टीम की कप्तानी छोड़ने के बाद उनकी जगह रोहित को सबसे छोटे प्रारूप के अलावा वनडे टीम का भी कप्तान बनाया था। कर्नाटक के बल्लेबाज राहुल अपने 39वें वनडे अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारत की कप्तानी कर रहे हैं। देश के लिए 50 वनडे अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने से पहले टीम की कप्तानी करने वाले पिछले खिलाड़ी मोहिंदर अमरनाथ थे जिन्होंने अक्टूबर 1984 में पहली बार टीम की अगुआई की थी। मोहिंदर ने जब पहली बार टीम की अगुआई की थी तो वह अपना 35वां वनडे अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेल रहे थे। दक्षिण अफ्रीका ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है और मध्य प्रदेश के आलराउंडर वेंकटेश अय्यर एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय पदार्पण कर रहे हैं।

आने वाले मुकाबलों के लिए अपने तैयारियों को बेहतर बना रही अदिति

नई दिल्ली ।

भारत की युवा बैडमिंटन खिलाड़ी अदिति भट्ट भविष्य के मुकाबलों के लिए आजकल अपनी तैयारियों को बेहतर करने में लगी हैं। अदिति इसके लिए अपने स्ट्रोक्स और दमखम पर विशेष ध्यान दे रही हैं। अदिति ने उबेर कप फाइनल्स में थाईलैंड के खिलाफ मुकाबले में विश्व की 13वें नंबर की खिलाड़ी बुसानन ओंगबामरंगफान के खिलाफ जमकर संघर्ष किया था हालांकि वह तीन गेम तक चले मैच में हार गई थी। अदिति ने इस मैच में अपने प्रदर्शन से दिखया है कि उनकी शीर्ष खिलाड़ी बनने की संभावनाएं हैं। डेनमार्क में अपने चार में से दो मैच जीतने वाली अदिति ने कहा, 'जब लोग कहते हैं कि आप भविष्य हो और हम आपको ओलंपिक में देखना चाहते हैं तो कई बार यह डराने वाला हो सकता है। लोग आपसे बहुत उम्मीद करते हैं लेकिन यह ठीक है, किसी तरह का दबाव नहीं है।' उन्होंने कहा, 'ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ियों स्पेन की अनिया सेटियन और स्कॉटलैंड की रेचेल सुगडेन के खिलाफ दो मैच जीतने के बाद मैं अच्छा प्रदर्शन करने के प्रति आश्वस्त थी लेकिन मैंने नहीं सोचा था कि मैं एक गेम बुसानन के खिलाफ जीतने में सफल रहूंगी। मैं अच्छा खेल रही थी और वह दबाव में थी क्योंकि वह जूनियर से खेल रही थी। यह शानदार मैच था।' अदिति को इसका लाभ हंगरी अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में मिला जहां वह फाइनल्स में पहुंची। उन्हें चयन ट्रायल्स के जरिए सुदीरमन कप और उबेर कप के लिए भारतीय टीम में चुना गया था। उन्होंने कहा, 'जब मुझे सुदीरमन कप और उबेर कप के लिये चुना गया तो यह सपना सच होने जैसा था। टीम में सभी सीनियर खिलाड़ियों जैसे अश्विनी पोनप्पा ने मेरी काफी मदद की।'

बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में लक्ष्य और सात्विकसाईराज-चिराग की युगल को लाभ

नई दिल्ली । युवा खिलाड़ी लक्ष्य सेन इंडिया ओपन बैडमिंटन में जीत के साथ ही विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) की ताजा रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें स्थान पर पहुंच गये है। लक्ष्य चार स्थान ऊपर आकर 66470 अंकों के साथ 17वें स्थान से ऊपर आकर 13वें पायदान पर पहुंच गये हैं। लक्ष्य से हार विश्व चैंपियन लोह कीन यू 12वें स्थान पर पहुंच गये हैं। लक्ष्य के अलावा इंडिया ओपन में युगल खिताब विजेता सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी की भी रैंकिंग बेहतर हुई है। इस जोड़ी ने 76708 अंकों के साथ दो स्थान का सुधार किया है और यह आठवें स्थान पर पहुंच गई है।वहीं महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू और विश्व के पूर्व नंबर एक पुरुष खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत अपने स्थान पर बने हुए हैं। सिंधू महिलाओं की रैंकिंग में 90994 अंक के साथ सातवें स्थान, जबकि श्रीकांत पुरुषों की सूची में 69158 अंकों के साथ 10वें स्थान पर कायम हैं। दूसरी ओर चीनी ताइपै की ताई त्जू महिलाओं की रैंकिंग में 108800 अंकों के साथ शीर्ष पर हैं, जबकि ओलंपिक चैंपियन विक्टर एक्सेलसन 116779 अंकों के साथ पुरुषों की सूची में शीर्ष पर हैं।

माथेरान

प्रदूषण से मुक्त खूबसूरत हिल स्टेशन

महाराष्ट्र का खूबसूरत हिल-स्टेशन माथेरान दुनिया भर की उन गिनी-चुनी जगहों में से एक है जहां किसी भी किस्म के मोटर वाहन के प्रवेश पर पूरी तरह पाबंदी है।

इस तरह यह न सिर्फ एक प्रदूषणरहित बल्कि अपने आपमें विशेष और बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। रायगढ़ जिले में स्थित माथेरान को देश के सबसे छोटे हिल स्टेशन का दर्जा प्राप्त है। वैसे यहां सवारी के लिए घोड़े, खच्चर, टट्टू, हाथ से खींचने वाले रिक्शे और पालकी उपलब्ध रहते हैं लेकिन आप चाहें तो पैदल घूम कर भी पूरे हिल स्टेशन का मजा ले सकते हैं। माथेरान में घूमते हुए सैलानियों को कुदरत से बेहद निकटता का एहसास होता है।

यहां देखने के लिए 20 से ज्यादा व्यू प्वाइंट, झीलें और पार्क हैं जिनमें मंकी प्वाइंट, इको प्वाइंट, मनोरमा प्वाइंट, सनराइज और सनसेट प्वाइंट प्रमुख हैं। लिटिल चॉक और चॉक पॉइण्ट से नवी मुंबई की ओर के बेहद खूबसूरत और आकर्षक नजारों का लुत्फ लिया जा सकता है।

माथेरान में जहां बादलों से घिरे पहाड़ और पहाड़ों से गिरते झरनों के खूबसूरत और आकर्षक नजारे बेहद मनमोहक लगते हैं वहीं पेड़ों के घने आवरण से बीच में पहाड़ी के नीचे की घाटियां, तीव्र ढलानों, पठारों और मैदानों के कई विहंगम दृश्य भी देखने को मिल जाते हैं।

पेड़ों की घनी दीवारों के बीच जैसे खिड़कियां-सी खुलती हैं जहां से इन अद्भुत नजारों का आनंद लिया जा सकता है। माथेरान में चारों ओर छायादार घने पेड़ और हरियाली से लदी समतल पहाड़ियां भी हैं जहां सब तरफ लहरदार पैदल रास्ते मौजूद हैं। दरअसल पूरे माथेरान में पैदल रास्ते भी कच्ची-पक्की पगडंडियों के तौर पर ही मिलते हैं जिनके जरिए नीचे घाटी की तरफ जाने पर उस झील तक भी पहुंचा जा सकता है जहां से पूरे माथेरान में पानी की सप्लाई होती है।

वैसे तो सालभर ही माथेरान में कुदरती सुंदरता के अद्भुत नजारे देखने को मिलते हैं लेकिन जून से अगस्त यानी बारिश के महीनों को छोड़कर बाकी समय मौसम बेहद सुहावना रहता है। बारिश के मौसम में बादलों के बीच दूर-दूर तक नजारे कम देखने को मिलते हैं साथ ही यहां कच्ची सड़क होने से फिसलने का खतरा भी बढ़ जाता है लेकिन बारिश के मौसम का भी यहां अपना अलग मजा है।

माथेरान पहुंचने के लिए मुंबई के करीब नेरूल जंक्शन से दो फुट चौड़ी नैरो गेज लाईन पर चलनेवाली टॉय-ट्रेन सबसे बेहतर विकल्प हैं जो लगभग इक्कीस किमी का सफर तय कर सवारियों को माथेरान बाजार के बीच स्थित रेलवे स्टेशन तक पहुंचाती है।

यह टॉय ट्रेन भारत के सबसे घुमावदार रेल पथ पर चलती है, जिसका ग्रेडियेन्ट 1:20 है। लगभग 2 से ढाई घंटे की इस छोटी से यात्रा में इतने तीखे और घुमावदार मोड़ हैं कि कई बार सवारियों को अपने कोच की सीट पर बैठे-बैठे अचानक अगला कोच या कहीं-कहीं रेलवे ट्रेक पर घुमाव लेते हुए पूरी ट्रेन ही नजर आ जाती है ऐसे में ये दृश्य काफी आकर्षक लगता है।

अद्भुत पर्यटक स्थल सराहन घाटी

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला और किन्नौर जिले की सीमा पर बसा सराहन स्वर्ग का एहसास कराने वाला एक सुंदर और अद्भुत पर्यटक स्थल है जो सराहन घाटी के नाम से भी जाना जाता है। यह क्षेत्र कई वर्षों तक पर्यटन के लिहाज से बचा रहा मगर अब पिछले कुछ वर्षों से इस तरफ पर्यटकों की भीड़ बढ़ने लगी है।

इसलिए अब सरकार ने भी इसे पर्यटन के लिए लिहाज से उपयुक्त समझा है। यह शहर समुद्रतल से 7,589 फुट की ऊंचाई पर स्थित है। इतिहास में इसको बुशहर नाम से भी जाना जाता है। इसके अतिरिक्त 51 शक्तिपीठों में से एक भीमाकाली माता का मंदिर भी इसी शहर में है। हिंदू और बौद्ध वास्तुशिल्प से निर्मित यह मंदिर लगभग 2,000 वर्ष पुराना है, मगर इसका जीर्णोद्धार कर इसको पुनः वही आकार दिया गया है।

पत्थरों और लकड़ी के इस्तेमाल से बना यह मंदिर शत-प्रतिशत भूकंपरोधी है। मंदिर के प्रांगण में खड़े होकर आप हिमालय को साक्षात निहार सकते हैं। इस मंदिर के नजदीक ही आपको एक पक्षी-विहार है जिसमें यहां के राज्य-पक्षी मोनाल सहित लगभग हर प्रकार के पहाड़ी पक्षी हैं। सरकार और स्थानीय लोगों के प्रयासों से रास्तों के दोनों तरफ लगाए गए तरह-तरह के फूल लहराते हुए पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

सराहन से लगभग सात किलोमीटर की दूरी पर यदि घाटी से थोड़ा नीचे उतरेंगे तो वहां आपको सतलज नदी का मनोहारी दृश्य मिलेगा। इसके अतिरिक्त सराहन से कुछ ही दूरी पर कामरू का ऐतिहासिक किला, चितकुल घाटी और बस्पा नदी जैसे अन्य पर्यटन स्थल भी हैं जहां आप आसानी आ-जा सकते हैं।

शहर अत्यधिक बड़ा न होने के कारण यहां यातायात के साधनों की आवश्यकता कम ही होती है इसलिए कुछ स्थानों पर पैदल भी घूमा जा सकता है। फिर भी यहां टैक्सी, बस आदि की सुविधा आसानी से मिल जाती है और महंगी भी नहीं है। पर्यटकों की सुविधा के लिए सरकार ने यहां आम से खास तक, सभी के बजट के अनुसार होटल और रेस्ट हाउस आदि का भी विशेष प्रबंध किया है।

यहां आने के लिए सर्दियां उचित समय नहीं है क्योंकि इस मौसम में यहां पर तापमान शून्य से भी नीचे ही रहता है। यहां आने के लिए मार्च से जून और सितंबर से अक्टूबर का समय बहुत ही अच्छा समय है। दिन के समय यहां का तापमान लगभग 30 से 32 डिग्री तक रहता है। मगर रात को ठंड बढ़ जाती है।

यदि अपनी गाड़ी से जा रहे हैं तो ध्यान दें कि शिमला से राष्ट्रीय राजमार्ग 22 से होते हुए रास्ते में थेयोग, नारकंडा, रामपुर और जैओरी नामक कुछ छोटे-छोटे पर्यटन स्थल भी आते हैं जहां आपको पेट्रोल पंप की सुविधा मिलेगी। शिमला से सराहन के बीच लगभग 180 किलोमीटर के इस रास्ते पर जब आप निकलेंगे तो आपका सामना देवदार के घने जंगलों, कई सारे छोटे-बड़े झरनों, खेतों एवं छोटे-छोटे अनेक गांवों से होगा।

इन गांवों से होकर जाने पर आपको उनके पारंपरिक पहनावे और संस्कृति की भी झलक देखने को मिलेगी। सराहन जाने के लिए सड़क मार्ग ही है जो शिमला से टैक्सी, जीप या बस द्वारा भी जाया जा सकता है। यह दूरी लगभग 6-7 घंटे में आसानी से तय की जा सकती है।

यह रास्ता अधिकतर सतलुज नदी के किनारे से गुजरता है, इसलिए इसकी तेज धारा आपको एक नए संगीत की से रू-ब-रू कराएगी। इसके अतिरिक्त जैसे-जैसे आप सराहन के नजदीक पहुंचेंगे वैसे-वैसे आपको मार्ग के किनारे अनेक प्रकार की जड़ी-बूटियां भी नजर आने लगेंगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

अमेरिका में नई 5जी सेवा को लेकर कई उड़ानों को रद्द किया गया

न्यूयॉर्क । अमेरिका में बुधवार से शुरू हो रही नई 5जी सेवा को लेकर कई उड़ानों को रद्द कर दिया गया इससे भारत की यात्रा करने वाले लोगों सहित हजारों यात्री प्रभावित हुए हैं। एयर इंडिया सहित कई अंतरराष्ट्रीय विमानन कंपनियों ने घोषणा की है कि वे अमेरिका में अपनी उड़ानें रद्द करेंगी। उन्होंने आगाह किया है कि नई 5जी फोन सेवा के सिग्नल हवाई जहाजों की नौवहन प्रणाली को बाधित कर सकती हैं। अमेरिकी विमानन संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने कहा था कि 'विमान के रेडियो अल्टिमीटर पर 5जी के प्रभाव से इंजन और ब्रेकिंग प्रणाली रुक सकती है, जिससे विमान को रनवे पर रोकने में दिक्कत आ सकती है।' एयर इंडिया ने कहा कि अमेरिका में 5जी संचार सेवा लागू होने के कारण, 19 जनवरी, 2022 से विमान के प्रकार में बदलाव के साथ भारत से अमेरिका के लिए हमारे संचालन में कटौती व संशोधन किया गया है।ऱ कंपनी ने एक अन्य ट्वीट में कहा कि अमेरिका में 5जी व्यवस्था लागू होने के कारण, वह 19 जनवरी को दिल्ली-जेएफके-दिल्ली, दिल्ली-सैन फ्रांसिस्को-दिल्ली, दिल्ली-शिकॉगो- दिल्ली और मुंबई-नेवार्क-मुंबई मार्ग पर उड़ानों को संचालित नहीं करेगी। इसके साथ ही कंपनी ने कहा कि 19 जनवरी को दिल्ली से वाशिंगटन डीसी की उड़ान निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संचालित होगी। एयर इंडिया के अलावा कई अन्य विमानन कंपनियों ने भी घोषणा की है कि वे 5जी सेवा लागू होने के कारण अमेरिका में अपनी उड़ानें रद्द कर रही हैं।

'नरेंद्र मोदी आयो और इस जुल्म से निजात दिलाओ', पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से वीडियो वायरल

सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है जिसमें पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के एक निवासी को भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मदद की गुहार लगाते हुए दिखाया गया है। युवक की पहचान मलिक वसीम के रूप में हुई है। वीडियो से यह स्पष्ट है कि उन्होंने भारत सरकार से उन्हें बचाने का आग्रह किया और पीएम मोदी से मदद की गुहार लगाते हुए कहा कि यहां की संपत्ति भारत और सिखों की है। वसीम ने कहा कि आओ और हमें बचाओ। इसके अतिरिक्त उन्होंने जोर देकर कहा कि पुलिस ने उनके घर को सील कर दिया है, जिससे उनका परिवार और बच्चे सड़कों पर रहने को मजबूर हैं। उन्होंने वीडियो में कहा कि पुलिस कर्मियों ने हमारे घर को सील कर दिया है। मैं मुजफ्फराबाद के कमिश्नर से घर हमें सौंपने को कहता हूं। आप मेरे बच्चों को सड़क पर देख सकते हैं। अगर मुझे कुछ हो जाता है तो उसके लिए कमिश्नर और तहसीलदार इसके लिए जिम्मेदार हैं। वे मेरा घर खोल दें, नहीं तो मुझे भारत सरकार की मदद लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। मैं पीएम मोदी से अपील करता हूं कि उन्हें सबक सिखाएं।ऱ उन्होंने आगे कहा, 'मैं भारत सरकार और पीएम मोदी से अपील करता हूं कि हमें इन अत्याचारों से बचाएं।' संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने ग्लोबल काउंटर टेररिज्म काउंसिल द्वारा आयोजित इंटरनेशनल काउंटर टेररिज्म कॉन्फ्रेंस 2022 में कहा कि आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध के बीच संबंधों को पूरी तरह से पहचाना जाना चाहिए और सख्ती से निपटने की जरूरत है। हमने देखा है कि कैसे 1993 के मुंबई बम धमाकों के लिए जिम्मेदार क्राइम सिंडिकेट को न केवल सुरक्षा दी है बल्कि 5 स्टार सुविधा भी मुहैया कराई गई।

दक्षिण अफ्रीका के निजी चिड़ियाघर के शेर कोरोना के डेल्टा स्वरूप से संक्रमित

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के निजी चिड़ियाघर के इसतरह संक्रमित पशु संचालकों, जिसमें कोरोना के कोई लक्षण नहीं थे, वहां के शेर कोरोना के डेल्टा स्वरूप से संक्रमित हुए है। इन शेरों में सांस लेने में समस्या, नाक बहना और सूखी खांसी जैसे लक्षण भी दिखाई दे रहे है। हाल ही में किए गए अध्ययन में यह बात सामने आई है। अध्ययन में अनुसंधानकताओं ने लोगों से आग्रह किया है कि अगर वे कोरोना वायरस से संक्रमित हैं, तब अपनी पालतू बिल्लियों और कुत्तों के संक्रमित होने की आशंका के बारे में सतर्क रहें। शोधकताओं ने 2021 के अंत में दक्षिण अफ्रीका में कोरोना महामारी की तीसरी लहर के दौरान चिड़ियाघर में तीन बीमार शेरों पर अध्ययन किया। वैज्ञानिकों के दल ने पाया कि गौतेंग (प्रांत) के एक निजी चिड़ियाघर में इस तरह के संक्रमित पशु संचालक,उसमें कोरोना के कोई लक्षण नहीं थे,लेकिन वहां के शेर डेल्टा' स्वरूप से संक्रमित हुए है। जानवरों के ह्यडेल्टा' स्वरूप से संक्रमित होने से एक गंभीर बीमारी का जन्म हो सकता है। यह जानवर बीमार होने के सात सप्ताह बाद तक पीसीआर जांच में संक्रमित पाए गए। वैज्ञानिकों ने कहा कि उनके लंबे समय तक संक्रमित रहने से खतरा बढ़ गया था और इसकारण संक्रमित ना होने की पुष्टि होने तक उन्हें पृथक रखा गया था।शेरों को 15 दिन तक सांस लेने में समस्या, नाक बहना और सूखी खांसी जैसे लक्षण थे। इन पर कड़ी नजर रखी गई और 15 से 25 दिन में जाकर तीन शेर पूरी तरह ठीक हुए। सभी कर्मचारियों और शेरों के नमूनों का जीनोम अनुक्रमण किया गया था, जिसमें उनके ह्यडेल्टा' स्वरूप से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। गौरतलब है कि करीब एक साल पहले चिड़ियाघर में दो कूगर (प्यूमा) भी कोरोना से संक्रमित पाए गए थे।

दुनिया के सबसे उम्रदराज व्यक्ति का 112 वर्ष की उम्र में निधन

मैड्रिड। 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' द्वारा दुनिया के सबसे उम्रदराज व्यक्ति के रूप में नामित किए गए सैटर्निनो डे ला फुएंते का मंगलवार को 112 वर्ष की आयु में निधन हो गया। रिकॉर्ड एजेंसी ने यह जानकारी दी। सरकारी समाचार एजेंसी 'ईएफई' ने बताया कि सैटर्निनो डे ला फुएंते का निधन स्पेन के उत्तर पश्चिमी शहर लियोन में उनके घर पर हुआ। एजेंसी ने बताया कि 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' ने पिछले साल सितंबर में डे ला फुएंते को दुनिया के सबसे बुजुर्ग व्यक्ति के रूप में नामित किया था और मंगलवार को उनकी मृत्यु की पुष्टि की। फुएंते का जन्म 11 फरवरी 1909 में पुएंते कास्त्रो में हुआ था। 'ईएफई' की खबर के अनुसार, फुएंते एक मोची थे और 13 साल की उम्र में उन्होंने जूते की एक फैक्टरी में काम करना शुरू कर दिया था। फुएंते के परिवार में उनकी पत्नी, आठ बच्चे, 14 पोता-पोती और 22 प्रपौत्र हैं। एजेंसी के अनुसार, बुधवार को उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

2000 चूहे हुए कोरोना वायरस से संक्रमित, जान से मारने का किया गया ऐलान

हांगकांग। हांगकांग प्रशासन ने मंगलवार को कहा कि कोरोना वायरस संक्रमित पाए जाने पर करीब 2000 हैम्स्टर (चूहे जैसा जीव) मारे जाएंगे। प्रशासन ने कहा कि पालतू जीवों के एक स्टोर में कई हैम्स्टर कोविड-19 संक्रमित पाए गए, क्योंकि वहां एक कोरोना वायरस संक्रमित कर्मचारी काम कर रहा था। अधिकारियों ने बताया कि कुतरने वाली प्रजाति के इस जीव के आयात और निर्यात पर भी रोक लगाई जाएगी। पालतू जीवों के स्टोर के कर्मचारी के सोमवार को जांच में कोरोना वायरस संक्रमित पाए जाने के बाद यह कदम उठाया गया। इसके बाद कई हैम्स्टर को भी संक्रमित पाया गया। हालांकि प्रशासन ने यह भी कहा कि जीवों से मानव में कोरोना फैलने का कोई 'साक्ष्य नहीं' मिला है। लेकिन एहतियाती कदम के तौर पर प्रभावित स्टोर से 7 जनवरी के बाद खरीदे गए सभी हैम्स्टर को अनिवार्य रूप से मारा जाएगा।

क्वालालंपुर में मलेशियाई हिंदू थईपुसम त्योहार के अवसर पर दूध लेकर सुब्रमणियार स्वामी मंदिर की ओर जाते हुए।

अगर हर व्यक्ति को कोरोना वैक्सीन लग जाती हैं तब हम इस माहमारी से पार पा सकते हैं : विश्व स्वास्थ्य संगठन

जेनेवा । दुनिया भर में कोरोना की स्थिति में वर्तमान में कोई सुधार नहीं दिख रहा है, लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन के इमरजेंसी हेड डॉ माइकल रेयान का कहना है कि इस साल कोरोना पर लगी पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी समाप्त हो सकती है।डब्ल्यूएचओ ने 2020 में कोरोना पर विश्व स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया था। डॉ रेयान ने कहा है कि अगर हम गरीब और अमीर देशों के बीच वैक्सीन और दवाओं के वितरण में भारी असमानताओं को दूर कर लेते हैं,तब इस साल कोरोना की दुश्वारियां, इससे होने वाली मौतें, अस्पतालों में भर्ती और लॉकडाउन के सिलसिला को रोक सकते हैं। डॉ रेयान ने कहा, हम वायरस को अब कभी खत्म नहीं कर सकते क्योंकि ये वायरस अब हमारे इकोसिस्टम का हिस्सा बन चुके हैं, लेकिन अगर हम कुछ चीजों को कर सकते हैं,तब हमारे पास पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी को खत्म करने का अच्छा मौका मिल सकता है।डब्ल्यूएचओ के इमरजेंसी प्रमुख ने गरीब और अमीर देशों के बीच वैक्सीन की असमानता को भयानक नैतिक विफलता करार दिया है। उन्होंने कहा है कि यह विडंबना ही है कि एक तरफ अमीर देशों में 80 प्रतिशत लोगों को वैक्सीन की दोनों खुराकें लग चुकी हैं,तब दूसरी तरफ गरीब देशों में अब तक 10 प्रतिशत लोगों को भी वैक्सीन की एक भी खुराक नहीं मिली है। डॉ रेयान ने कहा कि कोरोना से लड़ने के लिए अगर हम संसाधनों और वैक्सीन को निष्पक्ष रूप से दुनिया के हर हिस्सों में नहीं पहुंचते हैं, तब हमारे लिए कोरोना महामारी की यह त्रासदी इसी तरह जारी रहेगी जैसी फिलहाल है। कोरोना के कारण अब तक विश्व में 55 लाख लोगों को मौत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी आबादी के अधिकतम हिस्सों तक वैक्सीन पहुंचानी होगी ताकि कम से कम लोगों को कोरोना संक्रमण हो और किसी को इससे मरना न पड़े।

इमरान खान की बढ़ी मुसीबतें, पीटीआई विदेशी फंडिंग मामले में प्रमुख दस्तावेजों को सार्वजनिक करने का आदेश

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

पाकिस्तान के चुनाव आयोग (ईसीपी) ने सत्तारूढ़ पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के खिलाफ विदेशी वित्तपोषण मामले से जुड़े अहम दस्तावेज सार्वजनिक करने का आदेश दिया है। यह कदम प्रधानमंत्री इमरान खान के लिए कई और मुसीबतें खड़ी कर सकता है। मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई है। ईसीपी की जांच समिति की तरफ से इस महीने की शुरूआत में जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने विदेशी नागरिकों, कंपनियों से हासिल पैसे को कम करके बताया और बैंक खातों को भी छुपाया।

उसमें कहा गया है कि सत्तारूढ़ पार्टी ने वित्तीय वर्ष 2009-10 से वित्तीय वर्ष 2012-13 के दौरान चार साल की अवधि में 31.2 करोड़ रुपये कम करके बताए। वर्ष-वार विवरण से पता चलता है कि सिर्फ वित्तीय वर्ष 2012-13 में ही 14.5 करोड़ से अधिक की रकम को कम करके बताया गया। 'डॉन' अखबार की खबर के मुताबिक,ये दस्तावेज इस जांच समिति की रिपोर्ट का हिस्सा थे, लेकिन रिपोर्ट के साथ जारी नहीं किए गए थे।

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) सिकंदर सुल्तान राजा ने मंगलवार को तब आदेश पारित किया, जब याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि रिपोर्ट के कुछ अहम हिस्सों को गुप्त रखा गया है और उनके मुवक्किल को उन तक पहुंच नहीं दी जा रही है। खबर के मुताबिक, सीईसी ने निर्देश दिया कि रिपोर्ट के किसी भी हिस्से को गोपनीय नहीं रखा जाना चाहिए और पूरी रिपोर्ट याचिकाकर्ता को मुहैया कराई जानी चाहिए। इसमें कहा गया है कि ईसीपी ने दस्तावेजों को सार्वजनिक नहीं किया था क्योंकि पीटीआई ने इस मामले में सत्तारूढ़ पार्टी के संस्थापक सदस्य और याचिकाकर्ता अकबर एस बाबर के साथ दस्तावेजों को साझा करने पर आपत्ति जताई थी।

मुंबई हमलों का आरोपी, पाकिस्तान में पांच-सितारा सुविधाओं का लाभ ले रहा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)

संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत ने कहा है कि 1993 में मुंबई में हुए श्रृंखलाबद्ध बम विस्फोटों के लिए जिम्मेदार अपराधी पाकिस्तान में पांच-सितारा सुविधाओं का लाभ ले रहा हैं, उस सरकारी संरक्षण मिला हुआ है। उनका परोक्ष इशारा अंतरराष्ट्रीय अपराधी दाऊद इब्राहीम की तरफ था। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने कहा कि आतंकवाद और देशों के बीच संगठित अपराध के संपर्कों को पूरी तरह पहचाना जाना चाहिए तथा उन पर पुरजोर तरीके से ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने कहा, हम लोगों ने देखा है कि 1993 के मुंबई बम विस्फोटों के लिए जिम्मेदार अपराधियों के सिंडीकेट को न केवल सरकारी सुरक्षा दी गई है, बल्कि वह पांच-सितारा सुविधाओं का लुत्फ उठा रहा है।' तिरुमूर्ति के बयानों को डी-कंपनी और उसके सरगना दाऊद इब्राहीम से जोड़कर देखा जा रहा है जिसके पाकिस्तान में छिपे होने की बात कही जाती है।पाकिस्तान ने अगस्त 2020 में पहली बार अपने यहां दाऊद की मौजूदगी को कबूल किया था। इससे पहले, वहां की सरकार ने 88 प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों और उनके नेताओं पर पाबंदियां लगाई थीं, जिनमें भारत द्वारा वांछित अंतरराष्ट्रीय अपराधी दाऊद का भी नाम था। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की 2022 के लिए आतंकवाद निरोधक कार्रवाई समिति के अध्यक्ष तिरुमूर्ति ने कहा कि ह्य1267 अल-कायदा प्रतिबंध समिति सहित संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबंध प्रणालियां आतंकवाद के वित्तपोषण, आतंकवादियों की यात्राओं को रोकने और आतंकवादियों तक हथियारों की पहुंच पर लगाम लगाने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि इन उपायों का क्रियान्वयन चुनौतीपूर्ण बना हुआ है।

इजरायल ने एरो-3 एंटी बलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया

अब इजरायल को छू भी नहीं पाएंगी ईरान की मिसाइलें, तीर से होंगी तबाह

यरुशलम (एजेंसी)

ईरान से बढ़ते मिसाइल खतरे के बीच इजरायल ने अपने एरो-3 एंटी बलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। इजरायल ने धरती के वायुमंडल के बाहर ही दुश्मन मिसाइल को तबाह कर दिया। इस दौरान इजरायल ने कई क्षमताओं का परीक्षण किया जिसे तुरंत इजरायली वायुसेना इस्तेमाल कर सकती है। इससे पहले गत दिसंबर महीने में ईरान ने एक साथ 16 मिसाइलें दागकर इजरायल को बड़ी चेतावनी दी थी।

कहा गया है कि इजरायल का एरो वेपन सिस्टम मिसाइल प्रतिरक्षा श्रृंखला का हिस्सा है जिसे उसने हाल के वर्षों में ईरान, लेबनान के हिजबुल्लाह या गाजा पट्टी में फलस्तीनी समूह हमास के साथ भविष्य के किसी भी टकराव में खुद को बचाने के लिए विकसित किया है। इजरायल के रक्षा मंत्रालय ने मिशन को सफल बताते हुए कहा कि एयर डिफेंस सिस्टम ने लक्ष्य का पता लगा लिया और उस पर 2 एरो-3 इंटरसेप्टर मिसाइलें दागीं। इजरायल के रक्षा मंत्री बेनी गेंट्ज ने एक बयान में कहा, प्रणाली को उन्नत बनाने के साथ, हम इजराइल को उत्पन्न होने वाले किसी भी खतरे से खुद की रक्षा करने की क्षमताओं से लैस करते हैं। इस प्रणाली को अमेरिकी मिसाइल रक्षा एजेंसी (एमडीए) के सहयोग से रक्षा क्षेत्र के सरकारी उपक्रम इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज ने विकसित किया है। एमडीए के निदेशक वाइस एडमिरल जॉन हिल ने कहा, इस परीक्षण को एरो वेपन सिस्टम के हर तत्व को चुनौती देने के लिए डिजाइन किया गया था और इसने बखूबी इसका प्रदर्शन किया। पिछले साल 11 दिनों तक गाजा युद्ध के दौरान इजरायल की कम दूरी की मिसाइल प्रतिरक्षा स्पष्ट रूप से प्रदर्शित हुई थी, जब फलस्तीनी समूह हमास ने इजराइल पर 4,000 से अधिक रॉकेट दागे थे। इजराइल की सेना ने कहा था कि उसने लक्षित रॉकेटों में से लगभग 90 प्रतिशत को रोक दिया, जबकि अन्य ज्यादातर खुले क्षेत्रों में गिरे। इससे पहले ईरान ने एक साथ 16 मिसाइलें दागकर इजरायल को सीधी चेतावनी दी थी।

भारत ने यूएन में कहा, लश्कर और जैश जैसे पाकिस्तानी आतंकवादी संगठनों के साथ अल-कायदा के संपर्क हो रहे मजबूत

न्यूयॉर्क। (एजेंसी)

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) द्वारा प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे पाकिस्तानी आतंकवादी संगठनों के साथ अल-कायदा के संपर्क लगातार मजबूत हो रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत ने यह बात कही। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि अफगानिस्तान में हाल के घटनाक्रम ने इस आतंकवादी संगठन को ताकतवर होने का मौका ही दिया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने 'ग्लोबल काउंटर-टेररिज्म काउंसिल' द्वारा मंगलवार को आयोजित अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक कार्रवाई सम्मेलन 2022 में कहा कि इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने अपने तरीके बदल लिये हैं और उसका मुख्य रूप से ध्यान सीरिया तथा इराक में फिर से जमीन मजबूत करने पर है तथा इसके क्षेत्रीय सहयोगी संगठन विशेष रूप से अफ्रीका और एशिया में अपना विस्तार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'इसी तरह, अल-कायदा बड़ा खतरा बना हुआ है तथा अफगानिस्तान के हालिया घटनाक्रम ने उन्हें फिर से मजबूत होने का मौका ही दिया है।

लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे सुरक्षा परिषद द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों के साथ अल-कायदा के संपर्क लगातार मजबूत हो रहे हैं। अफ्रीका में इसके क्षेत्रीय सहयोगी लगातार विस्तार कर रहे हैं।' तिरूमूर्ति यूएनएससी की आतंकवाद निरोधक कार्रवाई समिति के 2022 के लिए अध्यक्ष भी हैं। उन्होंनेकहा कि वैश्विक आतंकवाद निरोधक कार्रवाई के संदर्भ में 2001 के 9/11 के आतंकवादी हमले 'आतंकवाद को लेकर हमारे प्रयासों की दिशा में निर्णायक मोड़' साबित हुए थे। उन्होंने कहा कि 11 सितंबर को हुए इन हमलों ने इस बात को रेखांकित किया था कि आतंकवाद का खतरा गंभीर और सार्वभौमिक है तथा संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों के समन्वित प्रयासों से ही इसे हराया जा सकता है। तिरुमूर्ति ने कहा, 'आतंकवादियों को 'आपके आतंकवादी' और 'मेरे आतंकवादी' के रूप में वर्गीकृत करने का समय चला गया है। आतंकवाद के सभी स्वरूपों की निंदा होनी चाहिए और आतंकवाद के किसी भी कृत्य को अपवाद नहीं माना जा सकता या जायज नहीं ठहराया जा सकता, चाहे इस तरह के कृत्यों के पीछे मकसद कुछ भी हो और इन्हें कहीं भी, कभी भी और किसी ने भी अंजाम दिया हो।' भारतीय राजनयिक ने कहा कि आतंकवाद की समस्या को किसी धर्म, राष्ट्रीयता, सभ्यता या जातीय समूह के साथ नहीं जोड़ा जाना चाहिए।

अमेरिका ने यूएन से बीजिंग ओलंपिक से पहले चीन के उइगर मुसलमानों पर रिपोर्ट जारी करने का किया आग्रह

वॉशिंगटन (एजेंसी)

अमेरिकी सांसदों ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख से शिनजियांग पर एक रिपोर्ट जारी करने का आह्वान किया है। वाशिंगटन ने बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक की शुरूआत से पहले चीन पर अल्पसंख्यक उइगर मुसलमानों के खिलाफ नरसंहार करने का आरोप लगाया। चीन पर कांग्रेस की कार्यकारी समिति का नेतृत्व करने वाले शीर्ष डेमोक्रेट सीनेटर जेफ मर्कले और प्रतिनिधि जेम्स मैकगवर्न ने कहा कि 4 फरवरी से शुरू होने वाले खेलों से पहले रिपोर्ट प्रकाशित करना 'इस तथ्य की पुष्टि करेगा कि कोई भी देश जांच से परे या अंतरराष्ट्रीय कानून से ऊपर नहीं है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त मिशेल बाचेलेट, चिली के पूर्व राष्ट्रपति, बीजिंग से वर्षों से शिनजियांग तक 'सार्थक और निर्बाध पहुंच' के लिए कह रहे हैं, लेकिन अब तक ऐसी कोई यात्रा संभव नहीं हुई है।

दिसंबर के मध्य में, उच्चायुक्त के प्रवक्ता ने संकेत दिया था कि रिपोर्ट 'कुछ हफ्तों' में प्रकाशित की जा सकती है। अमेरिका की तरफ से संयुक्त राष्ट्र से सख्त होने का आह्वान किया जा रहा है। इसके अलावा कई अधिकार संगठनों ने चीन पर शिनजियांग में कम से कम दस लाख मुसलमानों को कैद करने का आरोप लगाया है। बीजिंग इस आंकड़े से इनकार करता है और शिविरों को रोजगार का समर्थन करने और धार्मिक अतिवाद से लड़ने के लिए 'व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र' के रूप में वर्णित करता है। संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और ब्रिटेन ने घोषणा की कि वे ऱशिनजियांग में चल रहे नरसंहार और मानवता के खिलाफ अपराधों और अन्य मानवाधिकारों के उल्लंघन के कारण ओलंपिक में आधिकारिक प्रतिनिधित्व नहीं भेजने का फैसला लिया है।

चीन को मिला खाड़ी देशों का समर्थन

चीन ने कहा कि फारस की खाड़ी के देशों के विदेश मंत्रियों के बीच बातचीत के बाद उइगर मुसलमानों के साथ व्यवहार सहित कई मुद्दों पर उसे समर्थन प्राप्त हुआ है। चीन ने कहा कि उक्त बैठक में विदेश मंत्रियों ने संबंधों को उन्नत करने पर सहमति जतायी। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि मंत्रियों और खाड़ी सहयोग परिषद के महासचिव नायेफ फलाह अल-हजरफ ने ताइवान, शिनजियांग और मानवाधिकारों से संबंधित मुद्दों पर चीन के वैध रुख के प्रति अपना दृढ़ समर्थन व्यक्त किया। वांग ने कहा कि उन्होंने 'चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप और मानवाधिकारों के मुद्दों के राजनीतिकरण को खारिज किया।'

जापान में बढ़ रहे ओमीक्रोन के मामले, कोरोना संबंधी नई पाबंदियां लागू करेंगी

तोक्यो (एजेंसी)

जापानी सरकार कोरोना के 'ओमीक्रोन' स्वरूप के कारण संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर तोक्यो सहित 10 से अधिक क्षेत्रों में कोरोना संबंधी नई पाबंदियां लागू करेंगी।इसके लिए भोजनालयों के खुले रहने की अवधि कम कर सकते हैं। अर्थव्यवस्था पुनरोद्धार मंत्री डेशिरो यामागीवा ने बताया कि सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञों के पैनल ने बुधवार को 13 क्षेत्रों में तीन सप्ताह के लिए 13 फरवरी तक नए प्रतिबंधा लागू करने की योजना को मंजूरी दे दी। यामागीवा वायरस से निपटने के लिए किए जाने वाले उपायों के कार्य के प्रभारी हैं। जापान के प्रधानमंत्री फुमिओ किशिदा बुधवार को नए उपायों की घोषणा कर सकते हैं। तेजी से बढ़ते संक्रमण ने कुछ क्षेत्रों में अस्पतालों, स्कूलों और अन्य क्षेत्रों को काफी प्रभावित किया है। जापान ने अभी तक कोरोना से निपटने के लिए लॉकडाउन का विरोध किया है और इसके बजाय रेस्तरां तथा बार को जल्दी बंद करने, शराब ना परोसने जैसे उपाय किए हैं। वहीं, जनता से मास्क पहनने और सामाजिक दूरी बनाए रखने का आग्रह किया है क्योंकि सरकार अर्थव्यवस्था को होने वाले नुकसान को कम करना चाहती है। जापान ने सितंबर में, संक्रमण के मामले कम होने के बाद धीरे-धीरे सामाजिक और व्यावसायिक गतिविधियों को बहाल करना शुरू किया था। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसा कोविड-19 रोधी टीकों की शुरूआती दो खुराक देने के लिए तेजी से चलाए अभियान के चलते हो पाया है।

तय करे कि भूख से कोई न मरे

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- कम्यूनिटी किचन की व्यवस्था करे सरकार

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट को जब बताया गया कि देश में कोई भूखा है ही नहीं, तो सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से कहा, देश-दुनिया के सर्वे डेटा चीख रहे हैं कि भारत में न केवल भूख की समस्या है, बल्कि इतनी गहरी है कि भूख से लोगों की जानें जा रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से कहा कि वो कम्यूनिटी किचन की व्यवस्था करे और तय करे कि कोई भी भूख से न मरे। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के रवैये पर हैरत जताई और अंग्रेजी में कहा,यू एक्सेप्ट अस टू विलीव इट! अंग्रेजी के इन्हीं पांच शब्दों में मिली फटकार से बैकफुट पर आए अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने तुरंत इसका ठीकरा राज्य सरकारों पर फोड़ दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र ने जो कुछ भी कहा है कि वह राज्य सरकारों के दावों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य सरकार ने नहीं माना कि उसकी भौगोलिक सीमा में एक भी व्यक्ति की मौत भूख के कारण हुई है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एनवी रमण, जस्टिस एएस बोपन्ना और जस्टिस हिमा कोहली की पीठ ने एजी के इस बयान पर प्रतिक्रिया दी। पीठ ने कहा, 'भूख और कुपोषण का एक-दूसरे से प्रगाढ़ रिश्ता है। जैसे भी हो, भूख मिटानी ही पड़ती है। सरकार का दायित्व है कि वो भूख से बिलबिलाती आबादी को भोजन उपलब्ध कराए। इसके लिए ग्रामीण इलाकों में जगह-जगह पर कम्यूनिटी किचन खोले जाने की जरूरत है।' प्रधान न्यायाधीश की अगुवाई वाली सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने इस बात पर क्षोभ प्रकट किया कि चुनावों के वक्त तो ज्यादातर राजनीतिक दल तरह-तरह की मुफ्त और कल्याणकारी योजनाओं का लालच देते हैं। अगर वो हर जगह कम्यूनिटी किचन बनाने की भी बात करने लगें तो जनता इसे बहुत पसंद करेगी। बेंच ने कहा, 'वे (राजनीतिक दल) कई तरह की मुफ्त योजनाओं का वादा कर रहे हैं। राज्य सरकारें कई कल्याणकारी योजनाएं चला रही हैं। मुफ्त में कुछ देने के बजाय अगर वो (राजनीतिक दल और राज्य सरकारें) भूखों को भोजन देने की योजना लाएं तो वह भी बहुत लोकप्रिय हो जाएगा। चीफ जस्टिस ने विभिन्न राज्यों की ओर से पेश हलफनामों को पढ़ते हुए एजी वेणुगोपाल से कहा कि राज्य सरकारें कम्यूनिटी किचन खोलने को इच्छुक हैं, वो दूरदराज के इलाकों में ऐसा करने को तैयार हैं, बशर्ते केंद्र सरकार अनाज के मौजूदा कोटा को 2 फीसदी बढ़ाकर किचन तैयार करने और उसमें जरूरी संख्या में लोगों को रखने के लिए आर्थिक मदद कर दे। इस पर वेणुगोपाल ने कहा कहा कि केंद्र सरकार अनाज का कोटा 2फीसदी बढ़ाने पर तो विचार कर सकती है, लेकिन वह आर्थिक सहायता करने में सक्षम नहीं है।

सरकार बनी तो महंगाई दर से तय होगी मजदूर की दिहाड़ी: सिद्धू

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पंजाब में जैसे जैसे विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है वैसे ही सभी पार्टियां अपने अपने तरीकों से जनता को लुभाने में लगी है। इस बीच कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि पंजाब में अगर कांग्रेस की सरकार बनती है तो पार्टी राज्य में दाल, दलहन और मक्के के फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का कानूनी हक देगी सिद्धू ने कहा कि प्रदेश में कोल्ड स्टोर की कमी के कारण कई बार किसानों की मेहनत से उपजाया हुआ फसल खराब हो जाता है जिसे ध्यान में रखते हुए प्रदेश में 5-10 गांवों पर एक कोल्ड स्टोरेज बनाया जाएगा। इसके अलावा उन्होंने कहा कि प्रदेश में बड़े पैमाने पर फूड प्रोसेसिंग के उद्योग लगाए जाएंगे और महंगाई दर से मजदूर की दिहाड़ी जोड़ी जाएगी। वहीं उन्होंने कहा अगर प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आती है तो मंडी के प्रमुख का चुनाव करवाया जाएगा। सिद्धू ने आम आदमी पार्टी के सीएम उम्मीद्वार घोषित किए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'आम आदमी पार्टी ने अपना सीएम का उम्मीदवार तय कर लिया है। मैं भगवंत मान को इसके लिए बधाई देता हूं। लेकिन किसी भी राज्य के लोग ही तय करते हैं कि उनका मुख्यमंत्री कौन होगा। मैं इतना कहना चाहता हूं कि दिल्ली अभी दूर है।' नवजोत सिंह सिद्धू ने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी सिर्फ पंजाब के मुद्दों पर चुनाव लड़ेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 'हमारे हाईकमान काफी समझदार हैं। जो भी तय होगा वो पंजाब के हक में होगा। मुझे पूरा विश्वास है कि राज्य के लोग पंजाब मॉडल के लिए वोट देंगे।

एजेंडा भी यहां है और सिद्धू भी। बता दें कि नवजोत सिंह सिद्धू लगातार कांग्रेस हाईकमान पर सीएम उम्मीदवार घोषित करने के लिए दबाव बना रहे हैं। लेकिन कांग्रेस पार्टी नवजोत सिंह सिद्धू और चरणजीत सिंह चन्नी दोनों को चेहरा बनाकर चुनाव लड़ना चाहती है। पंजाब में 20 फरवरी को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होना है।

कैप्टन अमरिंदर सिंह पंजाब की 62-65 सीटों पर कैंडिडेट उतार सकती है भाजपा

नई दिल्ली।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सीमावर्ती राज्य पंजाब की करीब 62-65 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ सकती है। शेष सीटें कैप्टन अमरिंदर सिंह की पंजाब लोक कांग्रेस और सुखदेव सिंह ढींडसा के शिरोमणि अकाली दल (संयुक्त) को देने की तैयारी में है। आपको बता दें कि पंजाब में कुल 117 विधानसभा सीटें हैं। 2017 के चुनाव में प्रकाश सिंह बादल के शिरोमणि अकाली दल और बीजेपी साथ-साथ चुनाव लड़ी थी। उस चुनाव में एनडीए को हार का सामना करना पड़ा था और दस वर्षों के बाद कांग्रेस सत्ता में लौटी थी। 2022 में पंजाब की राजनीति काफी बदल चुकी है। 2017 में कांग्रेस का नेतृत्व करने वाले कैप्टन अमरिंदर सिंह ने हाल बीते साल सीएम पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद उन्होंने अपनी पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस का गठन किया। इस चुनाव में कैप्टन और बीजेपी गठबंधन में है। आपको बता दें कि पंजाब में एक चरण यानी 20 फरवरी को वोटिंग होगी। वहीं, अन्य चार राज्यों के साथ 10 मार्च को नतीजे घोषित किए जाएंगे।

फिर कांग्रेस में जा सकते हैं मसूद अख्तर सहारनपुर देहात सीट से लड़ेंगे चुनाव

सहारनपुर । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस को छोड़कर समाजवादी पार्टी में आए पश्चिमी यूपी के जाने माने नेता मसूद अख्तर एक बार फिर राजनीतिक मझधार में फंस गए हैं। दरअसल, समाजवादी पार्टी से उन्हें अब तक टिकट नहीं मिला है। ऐसे में अब खबर आ रही है की मसूद दोबारा कांग्रेस में वापसी में शामिल हो सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि मसूद सहारनपुर देहात से चुनाव लड़ सकते हैं। इसके अलावा कांग्रेस के पूर्व नेता इमरान मसूद इमरान मसूद को टिकट नहीं मिलने के साथ ही इस बात की भी चर्चा तेज हो गई है। ऐसे में सूत्रों की मानें तो वह एसपी छोड़कर बीएसपी जा सकते हैं। मिली जानकारी के अनुसार, एसपी चीफ अखिलेश यादव चाहते हैं कि इमरान मसूद पार्टी में बने रहें। खबर है कि भविष्य में एसपी की सरकार बनने पर उन्हें कोई बड़ा पद दिया जा सकता है, लेकिन इमरान मसूद फिलहाल सभी संभावनाओं को टटोल रहे हैं। बता दें कि कांग्रेस के पूर्व नेता इमरान मसूद और उनके समर्थक विधायक मसूद अख्तर ने 12 जनवरी को लखनऊ में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की थी और उनकी पार्टी में शामिल होने का ऐलान किया था।

शिवसेना सांसद संजय राउत ने कांग्रेस पर कसा तंज

नई दिल्ली ।

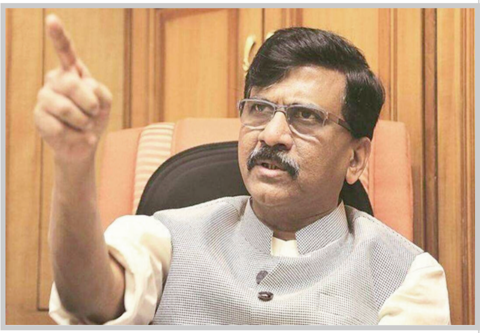

शिवसेना सांसद संजय राउत ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि गोवा में एनसीपी और शिवसेना साथ में मिलकर महाविकास अघाड़ी स्थापित करना चाह रही था लेकिन कांग्रेस ने इसमें खास दिलचस्पी नहीं दिखाई। संजय राउत ने कहा कि, कांग्रेस को लगता है कि वो अकेले ही गोवा में सरकार बना लेगी। उन्होंने कहा कि, कांग्रेस ने हमारी महाविकास अघाड़ी पैटर्न को दोहराने की कोशिश को नाकाम साबित कर दिया। संजया राउत ने आगे कहा कि भले ही राज्य में कांग्रेस का साथ हमें नहीं मिल सका लेकिन एनसीपी के साथ हमारी बातचीत लगातार चल रही है। उन्होंने कहा कि शिवसेना-एनसीपी के गठबंधन का ऐलान जल्द होने की उम्मीद है। बता दें, संजय राउत की एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल के साथ अहम बैठक होनी है। माना जा रहा है इस बैठक में गठबंधन और चुनावी फॉर्मुले को लेकर मुहर लग सकती है। संजय राउत ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि गोवा में हम बहुत अधिक सीटों पर चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि गोवा में कांग्रेस और बीजेपी के बीच करारी टक्कर है। गोवा में आम आदमी पार्टी भी अपनी किसमत आजमा रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आज गोवा में पार्टी के मुख्यमंत्री चेहरे का एलान किया। उन्होंने ऐलान किया कि इस बार गोवा विधानसभा चुनाव में आप पार्टी की तरफ से सीएम के उम्मीद्वार अमित पालेकर होंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अमित पालेकर पेशे से वकील हैं और भंडारी समुदाय से आते हैं। केजरीवाल ने कहा कि अमित गोवा के हर समुदाय के लोगों की मदद करते आए हैं। उन्होंने सबसे ज्यादा मदद कोरोना के दौरान की है।

यूपी की सत्ता में लौटे तो देंगे 18 हजार रुपये सालाना पेंशन: अखिलेश यादव

नई दिल्ली ।

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि अगर हम सत्ता में आए तो समाजवादी पेंशन फिर से शुरू की जाएगी। अखिलेश यादव ने कहा, हम गरीब महिलाओं को 18 हजार रुपये प्रति वर्ष यानी 1500 रुपये प्रति महीने की पेंशन देने का काम करेंगे। अखिलेश यादव ने यह भी कहा कि सपेरा समुदाय के लोगों से सपा का खास लगाव रहा है। हम सत्ता में लौटे तो एक्सप्रेस-वे के किनारे एक स्नेक चार्मर्स विलेज बनाएंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि इस बार 6 हजार रुपये सालाना नहीं बल्कि 18 हजार रुपये सालाना देंगे। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा खाते समाजवादी पार्टी ने खुलवाए थे। इसके अलावा अखिलेश यादव ने अपर्णा यादव के बीजेपी में शामिल होने पर भी राय रखी। उन्होंने अपर्णा यादव को बीजेपी जॉइन करने की बधाई दी है। अखिलेश यादव ने बताया कि नेताजी ने अपर्णा को समझाने की काफी कोशिश की। मेरी शुभकामनाएं उनके साथ हैं। उम्मीद है कि वह हमारी विचारधारा बीजेपी में ले जाएंगी। अखिलेश यादव ने कहा कि जो भी नेता बीजेपी से सपा में आ रहे हैं, उनका अपना एक जनाधार है। अखिलेश यादव कहां से चुनाव लड़ेंगे, इसका भी उन्होंने थोड़ा संकेत दिया। उन्होंने कहा कि मैं आजमगढ़ की जनता से परमिशन लेकर ही चुनाव लड़ूंगा। अखिलेश यादव ने बीजेपी सरकार पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, समाजवादी सरकार ने अगर पूर्वांचल एक्सप्रेसवे डिजाइन नहीं किया होता तो पीएम भी वहां हवाईजहाज से उतर नहीं पाते। अखिलेश ने आरोप लगाते हुए कहा, 'बीजेपी को मालूम था कि सब वर्चुअल होने वाला है। उन्होंने पहले ही स्टूडियो बना लिए हैं और उपकरण ले लिए हैं'। सपा सुप्रीमो ने कहा, 'छोटे दल इस तरह कैसे प्रचार कर पाएंगे। लोकतंत्र में भेदभाव नहीं होना चाहिए। हम लगातार चुनाव आयोग के नियमों का पालन कर रहे हैं।

चुनाव आयोग ने खर्च की लिस्ट जारी, चाय और समोसे 7 रुपए, पूजन-हवन 1100 रुपए तय किया

नई दिल्ली ।

पांच राज्यों में चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने प्रत्याशियों के हिस्से में जुड़ने वाले खर्च की लिस्ट जारी की है। तीसरी लहर को देखकर कोविड प्रोटोकॉल के तहत मतदान होना है।इसकारण मास्क, सैनिटाइजर, पीपीई किट से लेकर साबुन तक को लिस्ट में शामिल किया गया है। इसके अलावा चुनाव आयोग ने फर्नीचर से लेकर झंडे, टू व्हीलर, ट्रैक्टर और हाथ रिक्शा के दाम भी तय किए हैं। मर्सिडीज की बात की जाए,तब 200 किलोमीटर प्रति दिन के हिसाब से 12,000 का बिल जुड़ेगा। ऑडी ए3-ए4 के रेट 10,000 तय किए गए हैं। इसके अलावा ऑडी ए5-ए7 के बदले 12,000 रुपए का बिल जोड़ा जाएगा। प्रत्याशी को चुनाव में होने वाले हर खर्च की जानकारी देनी होगी,इस चुनावी काम में इस्तेमाल किया जाएगा। विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी के लिए अधिकतम 40 लाख खर्च करने की सीमा तय की गई है।इसकारण आयोग ने जिलाधिकारी और सभी दलों के प्रत्याशियों के साथ मीटिंग कर हर खर्चो की रेट लिस्ट तय कर दी है।

पीपीआई किट 300 रुपये प्रति नग, मास्क थ्री लेयर 2 रुपए प्रति नग, सैनिटाइजर 100 एमएल 18 रुपए प्रति नग, 500 एमएल 67 रुपए प्रति नग,1000 एमएल 130 रुपए प्रति नग, 5000 एमएल 600 रुपए प्रति नग, साबुन लिक्विड 250 एमएल 55 रुपए प्रति नग के हिसाब से होगा। इसके साथ ही फेस सील्ड 30 रुपए प्रति नग, दस्ताना प्लास्टिक पन्नी 60 पैसे प्रति नग, दस्ताना रबर 6 रुपए प्रति जोड़ा, थर्मल स्कैनर 973 रुपए प्रति नग,चाय 7रुपए, कॉफी 10 रुपए,समोसा, पकौड़े 10 रुपए, मिनरल वॉटर 20 रुपए, लड्डू 200 रुपए किलो, नमकीन 180 रुपए किलो, पंडित जी से पूजन-हवन 1100 रुपए दिए जा सकते है। इसके अलावा बिस्किट 300 रुपए किलो और आफिस, गाड़ी प्रचार, पोस्टर बैनर आदि पर भी खर्च के रेट तय किए गए हैं। प्रत्यशियों को बैंक एकाउंट भी खुलवाना होगा।उसी अकॉउंट से बिल का भुगतान करना होगा।जिला प्रशासन ने शिकायत प्रकोष्ठ भी खोली है, जहां चुनाव से जुड़ी शिकायत की जा सकेगी।

सीडीएस बिपिन रावत के छोटे भाई कर्नल विजय रावत बीजेपी ज्वाइन कर लड़ सकते हैं चुनाव

नई दिल्ली ।

दिवंगत सीडीएस बिपिन रावत के छोटे भाई कर्नल विजय रावत ने सीएम पुष्कर सिंह धामी से दिल्ली में बुधवार को मुलाकात की। सूत्रों की मानें तो कर्नल विजय बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। पार्टी सूत्रों ने पहले ही साफ कर दिया था कि बीजेपी आगामी विधानसभा चुनाव में सीटिंग विधायकों का टिकट काट सकती है। ऐसे में कर्नल विजय रावत के भाजपा ज्वाइन करने के बाद चुनाव लड़ने की अटकलें भी तेज हो गईं हैं। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव-2022 के लिए 14 फरवरी को मतदान होगा। कर्नल रावत का कहना है कि उनके परिवर और भाजपा की विचारधारा बहुत मिलती है। ऐसे में वह बीजेपी ज्वाइन कर जनता की सेवा करना चाहते हैं। अगर पार्टी की मंजूरी मिलती है तो वह आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। बता दें कि दिवंगत सीडीएस रावत उत्तराखंड में काफी एक्टिव थे। गत दो वर्ष पूर्व जब वह केदारनाथ व गंगोत्री धाम के दर्शन करने के बाद 19 सितंबर 2019 को पत्नी संग बतौर सीडीएस उत्तरकाशी के डुंडा ब्लॉक के स्थित अपने ननिहाल थाती गांव पहुंचे और गांव के हर ग्रामीण से बड़ी आत्मीयता मिले, तो गांव का हर व्यक्ति उन्हें अपने बीच में पाकर गौरवान्वित महसूस किया था। इस दौरान, ग्रामीणो की परेशानियों को सुन व देखकर उनके मन में भी यहां के लोगों के लिए कुछ करने टीस भी दिखाई दे रही थी।

उन्होंने कहा था कि वे यहां के लिए कुछ करना चाहते हैं। उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा था कि पहाड़ो से पलायन सबसे बड़ी चिंता है। जिसके लिए वह समय-समय पर केन्द्र व राज्य सरकार से उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने की बात करते रहते हैं। उन्होंने कहा था कि पहाड़ो में जब मेडिकल कालेज, इंजीनियरिंग कालेज खुलेंगे तो यहां के युवा पलायान नही करेंगे। जिसके लिए उन्होंने वादा किया था कि रिटायरमेंट के बाद वे दोबारा यहां आयेंगे और पलायन के दंश से बेहाल पहाड़ के गांवों को फिर से आबाद करने की पहल करेंगे। उत्तराखंड दौरे के दौरान, हमेशा से ही दिवंगत सीडीएस रावत पहाड़ की समस्याओं को दूर करने की बात कहते थे। 2021 में 8 दिसंबर को एक हेलिकॉप्टर दुर्घटना में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी मधुलिकाऔर 12 अन्य की मौत हो गई थी। तमिलनाडु के कुन्नूर में हादसा हुआ था। हादसे में ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह एकमात्र जिंदा बचे थे, जिनका निधन भी 15 दिसंबर को हो गया।

संक्षिप्त समाचार

अपर्णा यादव के बीजेपी में जाने पर बोले अखिलेश

नई दिल्ली । अपर्णा यादव के बीजेपी में शामिल होने पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की प्रतिक्रिया आ गई है। अखिलेश यादव ने कहा कि उन्हें इस बात की खुशी है कि समाजवादी पार्टी की विचारधारा का विस्तार हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि मुलायम सिंह यादव ने अपर्णा को काफी समझाने की कोशिश की थी। अखिलेश यादव ने कहा, ''सबसे पहले मैं बधाई दूंगा और शुभकमानाएं और साथ ही साथ ही हमें खुशी इस बात की है कि समाजवादी विचारधारा का विस्तार हो रहा है। मुझे उम्मीद है कि हमारी विचारधारा वहां संविधान बचाएगी।'' क्या अपर्णा को मुलायम सिंह यादव का आशीर्वाद प्राप्त है? इसके जवाब में अखिलेश ने कहा, ''नेताजी ने बहुत कोशिश की समझाने की। क्या सपा ने टिकट देने से इनकार कर दिया था इसलिए अपर्णा ने पार्टी बदली? यह पूछने पर अखिलेश ने कहा ''टिकट अभी पूरे नहीं बटे हैं. टिकट किसको मिलना है किसको नहीं मिलेगा यह क्षेत्र और जनता पर निर्भर करता है। आतंरिक सर्वे पर भी निर्भर करता है।'' उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों को सपा टिकट नहीं दे पा रही है उन्हें बीजेपी टिकट दे रही है। अपर्णा यादव पर तंज कसते हुए अखिलेश ने आगे कहा कि उन्हें जानवरों की सेवा प्रिय है। आज यूपी में गायें भूखी हैं। गाय मां को जो भूखा रखता है उन्हें पाप होगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) के संरक्षक मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने पर उनका स्वागत किया है। योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को ट्वीट कर कहा, ''अपर्णा जी का भाजपा परिवार में स्वागत हैं।'' मुख्यमंत्री ने अपर्णा के भाजपा में शामिल होने के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ उनकी एक तस्वीर भी ट्वीट की। सपा के संरक्षक और वरिष्ठ नेता मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव बुधवार को दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में पार्टी में शामिल हुईं। भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और पार्टी के मीडिया विभाग के प्रभारी अनिल बलूनी ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई।

सपा प्रवक्ता का अपर्णा यादव पर तंज

नई दिल्ली । मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल हो गई हैं। बीजेपी से मिले इस झटके से सपा में बेचैनी है। खुद अखिलेश यादव या मुलायम सिंह यादव की तरफ से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। लेकिन पार्टी के एक प्रवक्ता ने तो अपने गुस्से का इजहार करते हुए यहां तक कह डाला कि नेताजी का एक ही बेटा है। प्रतीक का नाम लिए बिना यह भी कह दिया कि उनके रगों में नेताजी का खून नहीं है। सपा प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने सोशल मीडिया ऐप कू पर लिखा, %%मैं जब से समाजवादी पार्टी में आया तब से एक बात ही जानता हूं कि आदरणीय नेताजी के एक ही बेटा है और वो है हम सबके महबूब नेता आदरणीय अखिलेश यादव जी , और नेताजी कि एक ही बहू है जिनका नाम है आदरणीय डिंपल भाभी , बाकी नेताजी का कोई पुत्र नहीं जिसकी रगों में नेता जी का खून दौड़ता हो जिसका डीएनए नेताजी का हो, जब कोई दूसरा बेटा हम नहीं मानते तो दूसरी कोई बहू भी नहीं हो सकती है। अपर्णा मुलायम सिंह के छोटे बेटे प्रतीक यादव की पत्नी हैं। प्रतीक मुलायम की दूसरी पत्ने नी साधना यादव के बेटे हैं। स्कूल में साथ पढ़ते हुए अपर्णा और प्रतीक में प्यार हुआ और दिसम्बर 2011 में दोनों विवाह बंधन में बंध गए। अपर्णा के बीजेपी में शामिल होने की अटकलें काफी पहले से थीं। वह पहले भी कई बार पीएम मोदी और बीजेपी की योजनाओं का तारीफ करके मुलायम परिवार को असहज कर चुकी थीं।

आईएएस अधिकारियों की केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए नियमों में बदलाव से ममता हुई खफा

पीएम मोदी को पत्र लिख जाहिर की नाराजगी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आईएएस (कैडर) नियम, 1954 में संशोधन के केंद्र के प्रस्ताव पर ''कड़ी आपत्ति व्यक्त कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर निर्णय को वापस लेने का आग्रह किया। बनर्जी ने दावा किया कि आईएएस अधिकारियों की केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए नियमों में बदलाव करने से राज्यों का प्रशासन ढांचा प्रभावित होगा।बनर्जी ने हाल में लिखे पत्र में आरोप लगाया कि प्रस्तावित संशोधन सहकारी संघवाद की भावना'' के खिलाफ है। उन्होंने कहा, मैं कैडर नियमों में इस तरह के संशोधन का प्रस्ताव करने में मोदी सरकार द्वारा अपनाए गए दृष्टिकोण पर अपना कड़ा विरोध व्यक्त करती हूं, जो एकतरफा रूप से राज्य सरकार के लिए प्रतिनियुक्ति के वास्ते केंद्रीय प्रतिनियुक्ति रिजर्व के तहत निर्धारित संख्या में अधिकारियों को उपलब्ध कराना अनिवार्य करता है।'' केंद्र ने आईएएस कैडर नियमों में एक संशोधन प्रस्तावित किया है, जो उस राज्य सरकारों की आपत्तियों को दरकिनार करते हुए आईएएस अधिकारियों को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात करने में सक्षम करेगा। केंद्र ने अपने संशोधन में, आईएएस (कैडर) नियम, 1954 के नियम 6 में एक प्रावधान सम्मिलित करने का प्रस्ताव किया है, जिसमें कहा गया है कि किसी भी आईएएस अधिकारी को संबंधित राज्य सरकार की सहमति से केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात किया जा सकता है। इसने आईएएस कैडर (नियम) में संशोधन के अपने प्रस्ताव में हाल ही में राज्य सरकारों से केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए आईएएस अधिकारियों की सूची भेजने को कहा है। बनर्जी ने लिखा, ''प्रस्तावित संशोधन न केवल सहकारी संघवाद की भावना के खिलाफ है, बल्कि आईएएस-आईपीएस अधिकारियों की पदस्थापना के मामले में केंद्र और राज्यों के बीच मौजूदा सौहार्दपूर्ण समझौते को भी प्रभावित करता है।सीएम ममता ने कहा कि प्रस्तावित संशोधन के माध्यम से अधिकारियों को प्रतिनियुक्ति के लिए उपलब्ध कराने का आग्रह न केवल राज्यों के प्रशासन को प्रभावित करेगा, बल्कि राज्यों के प्रशासन का आकलन और योजना बनाना भी असंभव होगा। उन्होंने कहा, मैं आपसे इसपर विचार करने के लिए अनुरोध करती हूं कि मौजूदा ढांचे में डिजाइन किए गए संवाद और परामर्श की पारस्परिक भावना को एकपक्षीयता से प्रतिस्थापित नहीं किया जाना चाहिए। मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि प्रस्तावित संशोधन को वापस लेकर या लागू नहीं करके कैडर नियमों की संघीय भावना को बरकरार रखें।'

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में भाग लो ईनाम जीतो

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने पर ईनाम जीतो

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई